तापमान

अधिकतम 32.4 डिग्री
न्यूनतम 24.2 डिग्री

हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, सोमवार, 8 जुलाई 2024

10 मंदिर के नाम की जमीन को बगैर अनुमति के बेचा

11 उपतहसील जामगांव आर में अब रोजाना उपलब्ध होंगे अधिकारी

ट्विनसिटी में दोपहर बारिश से मिली राहत, कोटे से अब भी 45 फीसदी कम

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

लंबे इंतजार के बाद रविवार को आखिरकार बारिश हुई। सुबह से आसमान पर बदली छाई हुई थी। काले बादल घुमड़- घुमड़कर जा रहे थे लेकिन बरस नहीं रहे थे। दोपहर 12 बजे के बाद बारिश शुरू हुई। करीब दो घंटे तक अलग-अलग क्षेत्रों में यह बारिश रूक-रूक कर होती रही।

जिससे ट्विनसिटी के लोगों को राहत मिली है। पिछले चार दिनों से लोग बारिश का ठिकाना नहीं था। मानसून के प्रवेश के बाद भी उमसभरी गर्मी लोग झेल रहे थे। जिले में इस सीजन में अब तक 118.2 मिलीमीटर औसत बारिश हुई है। जो कोटे का पिछले साल के इस समय तक 45 प्रतिशत कम है।

जिले में अब तक 118.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

जिले में 1 जून से 6 जुलाई तक 118.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 229 मिमी पाटन तहसील में तथा न्यूनतम 61.4 मिमी. बोरी तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 84.1 मिमी, तहसील धमधा में 65.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 102.4 मिमी और तहसील अहिवारा में 167.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 6 जुलाई को तहसील दुर्ग में 2.8 मिमी, तहसील धमधा में 1.2 मिमी एवं तहसील भिलाई 3 में 7.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

इंतजार के बाद दिन में ट्विनसिटी में बारिश

सबसे ज्यादा बारिश पाटन में

इस सीजन में सबसे ज्यादा बारिश पाटन ब्लाक में दर्ज की गई है। इस ब्लाक 221 मिलीमीटर बारिश हुई है। इससे पाटन ब्लाक में खेती-किसानी में तेजी आई है। अन्य ब्लॉक में किसानों को अच्छी बारिश का इंतजार है। कई जगह बुआई भी शुरू नहीं हो पाई है। इसलिए किसानों की चिंता बढ़ गई है।

इस तरह द्रोणिका है सक्रिय

मौसम विभाग के मुताबिक एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे लगे दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक द्रोणिका दक्षिण पश्चिम उत्तर प्रदेश से उत्तर पूर्व असम तक 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर बीकानेर, सीकर, ग्वालियर, सीधी, डाल्टनगंज, कोण्टई और उसके बाद दक्षिण पूर्व की ओर पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी तक स्थित है।

आज भी बारिश की संभावना

मौसम विभाग ने सोमवार को भी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक में 8 जुलाई को अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है । एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ अंधड़ चलने तथा वज्रपात होने की भी है। भारी वर्षा का क्षेत्र मुख्यतः दक्षिण छत्तीसगढ़ रहने की संभावना है।

तापमान में आई भारी गिरावट

बारिश होने से तापमान में भी गिरावट आई है। रविवार को भिलाई दुर्ग का अधिकतम तापमान 32.4 डिग्री सेल्सियस रहा है। न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। आसमान पर बादल छाए रहने और बारिश होने के बाद अधिकतम तापमान में गिरावट का दौर जारी है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू : कॉलेजों में पहले चरण के प्रवेश में स्थिति खराब

महज 10 फीसदी दाखिले, वजह एक विद्यार्थी ने पांच कॉलेजों में भरे फार्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

हरिभूमि सरोकार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सभी कॉलेजों में लागू करने के बाद इस बार कॉलेजों में दाखिले की प्रक्रिया जटिल हो गई है। कॉलेजों में पहले चरण के लिए विद्यार्थियों को प्रवेश देने की तिथि पार हो गई है लेकिन दाखिले महज 10 प्रतिशत को दे पाए हैं। इसकी वजह एक विद्यार्थी ने पांच-पांच कॉलेजों में फार्म भरे हैं। मेरिट की पहली सूची में 80 प्रतिशत से ज्यादा पाने वाले विद्यार्थियों के नाम हैं। एडमिशन केवल एक ही कॉलेज में लेना का नियम है। ऐसी स्थिति में उनकी सीटों पर दूसरे को दाखिला तब तक नहीं मिलेगा जब तक वह रिक्त न हो जाए।

- एक अनिवार्य स्कील सब्जेक्ट का चयन नहीं होने से वेरीफिकेशन नहीं हो रहा

एक स्कील सब्जेक्ट की अनिवार्यता

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लागू होने के बाद सभी कॉलेजों में सेमेस्टर सिस्टम से पढ़ाई होनी है। प्रथम वर्ष के हर विद्यार्थी को एक स्कील सब्जेक्ट का चयन करना अनिवार्य है। मसलन यदि बीए का छात्र है तो उसे स्कील सब्जेक्ट भी एक विषय पढ़ना जरूरी है।कॉलेजों में वर्तमान में जो फार्म विद्यार्थियों ने भरे हैं उसमें स्कील सब्जेक्ट का कालम खाली है। जब वह एडमिशन लेगा उसके बाद उसे स्कील सब्जेक्ट का भी चयन करना है। ऐसे में विद्यार्थियों के समक्ष यह दिक्कतें आ रही है कि वह कौन सा सब्जेक्ट चयन करें। चयन के लिए जब तक कॉलेज में अध्यापन शुरू नहीं हो जाता तब तक मौका रहेगा।

सबसे बड़े साइंस कॉलेज में महज 256 का दाखिला

सबसे नामी सांइस कॉलेज दुर्ग में अब तक केवल 256 विद्यार्थियों का ही दाखिला हो पाया है। इस कॉलेज में प्रथम वर्ष बॉयोलॉजी ग्रुप में 525 सीटें हैं। पहले चरण की मेरिट सूची जारी होने के बाद इस विषय में केवल 46 विद्यार्थियों ने एडमिशन लिया है। कामर्स ग्रुप में 420 सीटें हैं। जिसमें केवल 106 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। बीसीए में 100 सीटें हैं। इसमें केवल 10 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है।

रिसाली कॉलेज में 13 विद्यार्थियों का प्रवेश

शासकीय महाविद्यालय रिसाली में प्रथम वर्ष में तीनों ग्रुप मिलाकर केवल 13 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। जिसमें बीए, बीएससी और बीकॉम विषय शामिल हैं। इन तीनों ग्रुप के बीए, बीएससी व बीकॉम द्वितीय और तृतीय वर्ष में कुल 50 एडमिशन हुए हैं। इस कॉलेज में बीए , बीकॉम व बीएससी की 90-90 सीटें हैं। यानी 90 प्रतिशत सीटें खाली है। ऐसी स्थिति में इस बार सेमेस्टर सिस्टम से पढ़ाई के लिए विद्यार्थियों का टोटा हो जाएगा।

यूनिवर्सिटी नहीं कर पा रही है वेरीफिकेशन

यूनिवर्सिटी द्वारा एडमिशन पोर्टल में विद्यार्थियों से दाखिले के लिए फार्म भरवाए गए हैं लेकिन वेरीफिकेशन नहीं कर पा रहे हैं। किसी भी विद्यार्थी के एडमिशन के बाद उनका सब्जेक्ट चयन के साथ फार्म यूनिवर्सिटी में वेरीफिकेशन के लिए आता है। इस बार विद्यार्थियों को यदि दूसरे संकाय के एक विषय में दिलचस्पी है तो उसे भी वह पढ़ेगा। मसलन बीए का छात्र यदि साइंस के किसी विषय में दिलचस्पी रखता है तो भी पढ़ाई कर सकता है। जब विद्यार्थी इस विषय का चयन करेगा तभी वेरीफिकेशन कार्य यूनिवर्सिटी कर पाएगा।

कॉलेजों में अध्यापन शेडयूल पिछड़ा

उच्च शिक्षा विभाग ने कॉलेजों में अध्यापन एक जुलाई से शुरू करने के लिए आदेशित किया है। मौजूदाहालात उलट है। कॉलेजों में एडमिशन की स्थिति इतनी कम है कि पढ़ाई प्रारंभ ही नहीं कर सकते। दूसरे चरण का एडमिशन 10 जुलाई से 14 जुलाई तक पूरी करने का आदेश जारी किया है। कॉलेजों में पहले चरण का प्रवेश ही पूरा नहीं हो पाया है ऐसी स्थिति में दूसरे चरण प्रवेश प्रक्रिया को लेकर असमंजस के हालात हैं।

परिजनों ने किया हंगामा

हेल्पर के सिर पर गिरा लोहा, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

बाथरुम जाने के लिए निकले हेल्पर के सिर हैवी लिफ्टिंग का काम करते समय लोहा का भारी सामान गिरने से मौके पर ही मौत होने का मामल सामने आया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है। भिलाई तीन थाना प्रभारी महेश ध्रुव ने बताया कि हथखोज इंडसट्रियल एरिया में स्थित भिलाई आयरन स्टील प्रोसेसिंग कंपनी में वार्ड 4 जामुल निवासी रविन्द्र वर्मा 38 वर्ष चार वर्षो से हेलपर के रुप में काम करता था। रोज की भांति घटना के दिन भी रविन्द्र घर से काम पर निकला था। रविवार की सुबह 11.30 बजे कंपनी में बाथरुम जाने के लिए रविन्द्र निकला था। इस दौरान हैवी लिफ्टिंग का काम के समय ऊपर से भारी वजनी लोहा का सामान रविन्द्र के सिर पर गिर पड़ा। रविन्द्र की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर परिजनों ने कंपनी के सामने गेट पर खडे होकर जमकर प्रदर्शन करते रहे। मृतक विवाहित है उसके दो बच्चे भी है। बताया गया है कि बच्चों के लिए मुआवजे की राशि के रुप में 50-50 लाख रुपए देने की मांग कर रहे थे। पुलिस को सूचना मिलने पर तुरंत भिलाई तीन पुलिस पहुची और प्रबंधन व मृतक परिजनों से बातचीत किया गया। लेकिन बातचीत नहीं बन पाई। कंपनी से शव को बाहर निकाल कर मरचूरी सुपेला अस्पताल भेज दिया गया है।

- घटना हथखोज स्थित भिलाई आयरन स्टील कंपनी की
- हैवी लिफ्टिंग का काम करते समय हेल्पर के सिर गिरा लोहा
- मुआवजे को लेकर परिजनों ने किया हंगामा

खबर संक्षेप

शेयर के नाम पर शिक्षक से 11 लाख की ठगी

भिलाई। शेयर मार्केट के नाम ऑनलाइन ठगी करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ पुलिस ने धारा 420, 120बी के तहत जुर्म दर्ज किया है। ग्राम देउरझाल उतई निवासी ओमन कुमार मारकंडे को शेयर मार्केट में निवेश कर लाभ मिलने का झांसा देकर अज्ञात आरोपी ने 11 लाख 17 हजार 285 रुपए का ठगी किया है। शिकायत में पुलिस को बताया गया है कि मोबाइल पर आरोपी ने वाट्सअप ग्रुप वेल्थ समिट ए-65 के नाम से जोडा गया। जिसके संचालक संजय शर्मा, लीला नंदी,पुजा गुमा ग्रुप एडमीन के द्वारा फेसबुक और वाट्सअप ग्रुप के माध्यम से लिंक भेजा। इसके बाद पीड़ित को शेयर मार्केट में निवेश करने के नाम पर अधिक लाभ होना बताया था। पीड़ित से आरोपियों ने विभिन्न खातों में 10 अप्रैल से 28 मई 2024 के बीच 11 लाख 17 हजार 285 रुपए जमा कराया गया। वाट्सअप ग्रुप वेल्थ समिट ए-65 के संचालको द्वारा ऑनलाईन शेयर ट्रेडिंग के नाम पर साजिश रची और ठगी किया। आरोपियों ने पीड़ित को फर्जी इंस्टीटूशनल शेयर मार्केट ट्रेडिंग कराने और प्रलोभन का झांसा दिया था। पीड़ित ओमन कुमार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुरडोंगर विख. डौण्डी जिला बालोद में शिक्षक है।

दुर्ग न्यायालय ने सुनाया फैसला

चाकू से हमला करने वाले नेपाली समेत दो को सात साल की सजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

महादेव सट्टा का पैनल चालने वाला सटोरिया और उसके दो अन्य साथियों को मारपीट के एक मामले में न्यायालय ने सात वर्ष का कठोर कारावास की सजा सुनाई है। मिली जानकारी के मुताबिक कैम्प निवासी दीपक नेपाली, संतोष शर्मा उर्फ मथुरा, गुरमीत सिंह को वर्ष 2022 में किए मारपीट के मामले में न्यायालय दुर्ग ने सजा सुनाई है। दीपक नेपाली तुछ माह पहले ही जमानत पर जेल से छुटकर आया हुआ था। वैशाली नगर पुलिस थाना क्षेत्र का निगरानी बदमाश दीपक सिंह उर्फ दीपक नेपाली अपने साथियों के साथ 20 मई 2022 की रात 11 बजे सुभाष चौक कैंप 1 में राममोहन साहू की डेली नीड्स की दुकान पहुंचे थे। आरोपियों ने घटना के समय पीड़ित राम मोहन से सिगरेट और गुटखा खरीदा। जब उसने पैसे मांगे तो तीनों ने उससे गाली गलौज किया। इसके अलावा दीपक नेपाली और उसके साथियों ने अपने पास रखे चाकू से पीड़ित पर हमला किया था। घटना में पीड़ित के चेहरे से लेकर गले तक चाकू के कई वार के निशान मिले थे। घटना के बाद तीनों फरार हो गए थे। घटना में सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश विशेष न्यायाधीश दुर्ग संजीव कुमार तामक की न्यायालय में दीपक नेपाली समेत दो दोस्तों के खिलाफ धारा 324/34, 25/ 27 आर्म्स एक्ट के तहत दोषी पाया गया। तीनों को न्यायालय ने 7 वर्ष की कारावास की सज़ा सुनाई है।

- वर्ष 2022 में डेली निड्स दुकान में की थी मारपीट

चावल की तस्करी, ऑटो से 10 क्विंटल जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

अवैध रुप से पीडीएस चावल की तस्करी करते एक आटो को पकड़ा गया है।

जिसे वैशाली नगर पुलिस थाने में खडा कर दिया दिया गया है। मौके पर खाद्य विभाग की टीम भी पहुची और जांच में जुट गई है। सहायक खाद्य अधिकारी वसुधा गुप्ता वैशाली नगर थाने पहुंचकर चावल को चेक किया। अधिकारी ने चॉवल से भरे ऑटो को थाने में ही खड़े रखने की बात कही। मिली जानकारी के मुताबिक आटो सीजी 07 बीसी 4940 में 10 क्विंटल चावल लोड है। जो सफेद बोरियों में भरा हुआ है।

जांच में यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह सरकारी चावल है या बाहर से खरीदा गया। सहायक खाद्य अधिकारी वसुधा गुप्ता के मुताबिक नान इंस्पेक्टर को जानकारी दी गई है। उनके आने के बाद चावल का सैंपल लिया जाएगा। इसके बाद इसे लैब में टेस्ट करेंगे कि वो पीडीएस का चावल है या नहीं। नान की रिपोर्ट आने के बाद ही मामले में कार्रवाई होगी। अवैध रुप से चावल की तस्करी मामले रुकने के नाम नहीं ले रहा है। खाद्य विभाग भी सिर्फ खानापूर्ति के लिए ही कार्रवाई करती है। सुपेला के चॉवल तस्कर पर पूरी तरह विभाग द्वारा मेहरबानी किया जा रहा है। अब तक मामूली कार्रवाई कर इसे छोडा जाता रहा है। यह चावल तस्कर अपने दुकान से ही अवैध रुप से चावल का कारोबार करता आया है।

- वैशाली नगर पुलिस थाने में जब्त आटो
- खाद्य विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे

गांजा की तस्करी करने वाला युवक धरा गया

भिलाई। गांजा तस्करी करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने गांजा को बेचने की फिराक में सेक्टर 3 मुर्गा चौक ब्रिज के पास ग्राहक की तलाश में युवक खडा था। पुलिस ने घेराबंदी कर युवक को पकड़ा गया। पूछताछ करने पर युवक ने अपना नाम सेक्टर 6 रशियन ब्लाक निवासी जे कुमार बताया है। युवक के पास से पुलिस ने एक सफेद रंग की सीमेंट बोरी में 5.140 किलो गांजा बरामद किया। जिसकी कीमत 50 हजार रुपए आंकी गई है। जिसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड में भेजा गया है। इस कार्रवाई में सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी, भट्ठी टीआई प्रशांत मिश्रा समेत उनकी टीम का योगदान रहा है।

अवैध रूप से संचालित मांस दुकान पर कार्रवाई

भिलाई। नगर निगम भिलाई जोन क्रमांक 4 की टीम ने रविवार को शिवाजी नगर वार्ड क्रमांक 44 औद्योगिक रोड के समीप अवैध रूप से संचालित मांस, मटन का बिक्री की दुकान पर कार्रवाई की। नगर निगम की टीम वहां पहुंची उस नोटिस दिए, और अवैध रूप से संचालित हो रहे मटन, मांस दुकान को बंद करवाया । नगर पाली निगम अधिनियम के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति कहीं पर भी खुले में मांस, मटन बिक्री नहीं कर सकता है। अगर कोई बिक्री करते हुए पाया जाएगा, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अवैध रूप से संचालित दुकानों पर चालान काटा जाएगा, सब कुछ जप्ती बनाई जाएगी।

इस उपलब्धि के साथ ही अब तक 96 जुड़वा बच्चों का बना रिकार्ड

जिला अस्पताल में एक ही दिन में तीन ट्विन चाइल्ड का जन्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

जिला अस्पताल में एक ही दिन में तीन-तीन जुड़वा बच्चों ने जन्म लिया। एक ही दिन में तीन-तीन महिलाओं का जुड़वा बच्चों की डिलवरी करवाने का यह पहला मामला है। अब तक जिला अस्पताल में इन तीनों को मिलाकर 96 जुड़वा बच्चों की सफलतापूर्वक डिलीवरी करवा ली गई है। यानी जुड़वा बच्चों की डिलवरी का शतक में केवल चार प्रकरण दूर है। एक ही दिन में संजय नगर सुपेला निवासी प्रियंका गिरी ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। दूसरे प्रकरण में तनु बघेल करही बेमेतरा निवासी और तीसरा प्रकरण भेरवा रायपुर निवासी चेतना वर्मा की डिलीवरी के दौरान दो-दो जुड़वा बच्चे हुए हैं।

डॉ. उज्जवला देवांगन व डॉ. विनीता ध्रुव की टीम बढ़ रही शतक की ओर

जुड़वा बच्चों की सफलता में टीम की भूमिका सराहनीय

जिला अस्पताल में जुड़वा बच्चों वाली माताओं का सफल आपरेशन और नार्मल डिलीवरी करवाने में डॉक्टरों व स्टॉफ की भूमिका सराहनीय रही है। मदर चाइल्ड केयर यूनिट की डॉ. उज्जवला देवांगन के मार्गदर्शन में डॉ. विनीता ध्रुव के नेतृत्व में उनकी टीम ने एक ही दिन में तीन-तीन महिलाओं के जुड़वा बच्चों की सफल डिलवरी करवाई। एनेस्थेसिया एक्सपर्ट डॉ. पूजा वर्मा, डॉ. विभा साहू, सिस्टर ज्योति, रचना, सरस्वती, वर्षा का भी योगदान रहा।

जुड़वा बच्चों के शतक की ओर टीम

जिला अस्पताल की टीम अब जुड़वा बच्चों की शतक पूरा करने जा रहा है। जिला अस्पताल की महिला डॉक्टरों की इस टीम ने अब तक 96 जुड़वा बच्चों की सफल डिलीवरी करवा चुकी है। खास बात यह है कि इनमें से ज्यादातर मामले बेहद जटिल थे। इन जटिल प्रकरणों को भी हायर सेंटर रेफर करने के बजाय महिला डॉक्टरों ने इसे चुनौती के रूप में लिया और सफल रहे। यही वजह है कि जिला अस्पताल में जुड़वा बच्चों की जितनी डिलवरी हुई है उतने दूसरे जिले में नहीं हो पाई। अंडर वेट बच्चे और गले में नाल से घिरे हुए जीवन व मृत्यु से संघर्षरत नवजातों को यहां नया जीवन मिला है।

मच्छर का प्रकोप बढ़ा

भिलाई। हल्की बारिश के बाद मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। सुपेला, शंकरपारा, रावण भाठा एरिया में मच्छरों से लोग परेशान है। निगम द्वारा बाईट द फाइट अभियान चलाया जा रहा है। लेकिन लोगों को इससे राहत नहीं मिल पा रही है। जिससे लोगों में आक्रोश है।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई

7987328736, 7489348301

शहर भ्रमण करने मंदिर से निकले नाथ, रथ खींचने मची रही भक्तों की होड़

प्राचीन आमदी मंदिर व किल्ला मंदिर से निकली रथयात्रा, शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरा रथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

भगवान जगन्नाथ सुभद्रा और बलराम के साथ आज सर ब्राह्मण में निकले। रथ पर सवार होकर निकले नाथ के एक झलक पाने के लिए शहर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। शहर के प्राचीन मंदिरों से निकली राठ शहर के विभिन्न चौक चौराहे से होकर गुजरी जहां रेड खींचना श्रद्धालुओं में और मची रही।

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा रविवार को शहर के प्राचीन आमदी मंदिर स्टेशन चौक और किल्ला मंदिर तमेरपारा से पूरे आस्था व श्रद्धा के साथ निकाली गई। फूलों से सुसज्जित रथ खींचने श्रद्धालुओं में होड़ लगी रही। रथ में विराजमान भगवान जगन्नाथ के साथ भगवान बलभद्र व बहन सुभद्रा के दर्शन के लिए पूरे रास्तेभर श्रद्धालुओं में अपार उत्साह रहा। जनप्रतिनिधियों ने भी रथयात्रा में शामिल होकर भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए और शहर की सुख समृद्धि व खुशियाली के लिए कामना की। स्टेशन चौक स्थित प्राचीन आमदी मंदिर से दोपहर बाद रथयात्रा शुरु हुई। यह रथयात्रा गाजे-बाजे के साथ ग्रीन चौक, अग्रसेन चौक, हरनाबांधा चौक, पोलसायपारा चौक, इंदिरा मार्केट, पटेल चौक, राजेन्द्र पार्क चौक, सिंधी कालोनी क्षेत्र का भ्रमण कर वापस रेल्वे स्टेशन स्थित आमदी मंदिर पहुंची। इसी प्रकार तमेरपारा स्थित प्राचीन किल्ला मंदिर से निकली रथयात्रा तमेरपारा से बरईपारा, हटरी बाजार, जवाहर चौक, गांधी चौक, सदर बाजार, कोष्टापारा, ब्राम्हणपारा, चंडी चौक, मठ मंदिर, शिवपारा, गवलीपारा, ढीमरपारा, बनियापारा क्षेत्र का भ्रमण करते हुए वापस किल्ला मंदिर पहुंची। रथयात्रा में श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए। रथयात्रा के दौरान आमदी मंदिर व किल्ला मंदिर समिति के पदाधिकारी व्यवस्था बनाने में सक्रिय रहे। वहीं सुरक्षा के लिहाज से रथयात्रा के भ्रमण के दौरान पुलिस बल अलर्ट रही।

खबर संक्षेप

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शामिल हुए महापौर

दुर्ग। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में नगर निगम महापौर धीरज बाकलीवाल शामिल हुए। उन्होने पूरे विधि विधान से भगवान जगन्नाथस बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र की पूजा अर्चना की। साथ ही पार्षद व एनआईसी सदस्य दीपक साहू, भोला महोबिया भी रथ यात्रा में शमिल हुए। आज किला मंदिर प्रांगण तमेरपारा दुर्ग एवं श्री राम जानकी मंदिर से निकाली गईं। प्रभू श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा में शामिल होने एवं आरती में भी शामिल रहे। रथ यात्रा में महापौर धीरज बाकलीवाल ने रथ के सामने झाड़ू लगाकर मार्ग की सफाई भी की। उन्होंने कामना की कि भगवान जगन्नाथ शहरवासियों और प्रदेशवासियों के जीवन में खुशहाली दें।

ठकेश बने समाज के अध्यक्ष

दुर्ग। ठकेश साहू को छग कबीरपंथी साहू समाज दुर्ग जिलाध्यक्ष के पद पर नियुक्ति की गई है। समिति की बैठक में पदाधिकारियों ने ठकेश साहू की नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त की है। इस अवसर पर समिति के अनुरूप साहू, सीता साहू, लेखराम साहू, चन्द्रहास साव, नामदास साहू, के. आर. कुल्हारा, समलूराम, रामाधार साहू, तीरथ साहू, संतोष कुमार, अश्वनी साहू आदि उपस्थित थे।

योजना : 2 साल बाद राज्य शासन ने जारी किया टारगेट

चैंप्स में किसानों को मिलेगा ट्रैक्टर कम्बाईन हार्वेस्टर व मिनी राइस मिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

मानसून के आते ही किसानों ने खेती की तरफ रुख कर लिया है। खरीफ सीजन में धान सहित अन्य फसल लेने वाले किसान अपना खेत तैयार करने में लग गए है, कुछ इलाकों में बोनी की शुरुआत भी हो गई है। इस बीच किसानों के लिए राहत की खबर है, प्रदेश सरकार ने किसानों पर आर्थिक बोझ कम करने के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत कृषि यंत्रो के वितरण को लेकर जिलावार टारगेट जारी कर दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार दुर्ग जिले के 50 किसान और संभाग के 100 से अधिक किसान इस योजना से लाभान्वित होंगे। किसानों को इस बार ट्रैक्टर में सब्सिडी देने का टारगेट दिया गया है। ऐसे ही दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, राजनांदगाव, खैरागढ़ छुईखदान, मोहला मानपुर, कवर्धा, डेढ़ दर्जन कम्बाईन हार्वेस्टर और सात मिनी राइस मिल के लिए भी योजना के तहत अन्नदाताओं को आर्थिक मदद सरकार द्वारा की जाएगी। टारगेट मिलने के बाद अब विभाग ने इसके वितरण की तैयारी शुरु कर दी है। आवेदन करने वाले किसानों में से लॉटरी के माध्यम से चयनित किसानों को इसका लाभ दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि, छत्तीसगढ़ समेत देशभर में केंद्र प्रवर्तित कृषि यंत्रीकरण योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत किसानों को कृषि यंत्र की खरीदी पर उन्हें 40 से 50 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जाती है।

इसके अलावा कस्टम हायरिंग केंद्रों और उच्च मूल्य वाले कृषि यंत्रों के लिए उच्च तकनीकी केंद्र स्थापित करने को 40 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है। उल्लेखनीय है कि, बीज निगम द्वारा चैंप्स योजना को संचालित किया जाता है। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आने के बाद वर्ष 2022 से टारगेट बंद कर दिया गया था। वर्तमान में भाजपा की सरकार आने के बाद प्रदेशभर में इस साल नया टारगेट जारी किया गया है। संभाग के राजनांदगांव जिले को सर्वाधिक टारगेट मिल है। बीज निगम के माध्यम से किसानों को कृषि यंत्रों का वितरण किया जाएगा। इसमें ट्रैक्टर के लिए राजनांदगांव जिले को 60 और मोहला-मानपुर व खैरागढ़ जिले को 51-51 का टारगेट मिला है। ऐसे ही तीनों जिलों को 6-6 कम्बाईन हार्वेस्टर, राजनांदगांव व खैरागढ़ को 4 व मोहला- मानपुर को तीन पैडी ट्रांसप्लांटर के साथ ही तीनों जिलो में एक- एक मिनी राइस मिल का टारगेट दिया गया है।

कृषि यंत्रों की खरीदी पर दी जाती है सब्सिडी

लॉटरी निकाल कर दिया जाएगा लाभ

मिली जानकारी के अनुसार किसानों के आवेदन आने के बाद लाटरी पद्धति से आवेदकों का नाम सेलेक्ट किया जाएगा। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत किसानों को करीबन आधा दर्जन कृषि यंत्र में सब्सिडी उपलब्ध कराई जाती है। इनमें हस्त बैल चलित यंत्र, ट्रैक्टर, पावर टिलर, कम्बाईन हारवेस्टर, शक्ति चलित कृषि यंत्र, पौधा संरक्षण यंत्र, सिंचाई पंप आदि कृषि यंत्र जैसे यंत्र शामिल है। हालांकि इस बार विभाग को टारगेट ट्रैक्टर, कम्बाईन हारवेस्टर, पावर टिलर, पैडी ट्रांसप्लांटर और मिनी राइस मिल के लिए आया है।

70 फीसदी अनुदान पर दिए जाते हैं उपकरण

चैंप्स में किसानों को खेती के लिए कृषि यंत्र, सिंचाई पंप और ड्रिप और रप्रिंकलर बांटने की योजना है। इसके लिए 70 फीसदी अनुदान भी दिया जाता है। इसके अलावा जो किसान यह उपकरण और सामान लेना चाहते है, उसे 30 फीसदी राशि जमा करनी होती है। इसके बाद ही उसे किसानों को दिया जाता है। इस पोर्टल में पंजीयन के बाद आवेदन करने पर ही किसानों को योजना के तहत लाभ दिया जाता है।

मंदिर के नाम की जमीन को बगैर अनुमति के बेचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

- नगपुरा थाने में ग्रामीणों ने की पुलिस से लिखित शिकायत

श्रीराम जानकी मंदिर नगपुरा के जमीन को महंत धर्मेंद्र दास द्वारा फर्जी तरीके से विक्रय किये जाने के सम्बन्ध में ग्रामीणों ने चौकी प्रभारी नगपुरा को ज्ञापन सौप कर मामले की जांच कर महंत के खिलाफ अपराध दर्ज करने की मांग की है । उपस्थित ग्रामीणों ने कार्यवाही नहीं होने पर उग्र प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है।

बता दे कि राम जानकी मंदिर ग्राम नगपुरा में भगवान राम के नाम पर कृषि भूमि स्थित है। उक्त कृषि भूमि को आवेदक गोविंद देवांगन के पूर्वजों के द्वारा मंदिर बनाकर उसमें स्थापित मूर्ति के नाम पर रजिस्टर्ड दान पत्र के द्वारा वर्ष 1945 में मंदिर के सरवराकार गोविंद के पिता स्व. बुधुसाव देवांगन द्वारा दिया गया था। जिसे फर्जी महंत धर्मेन्द्र दास ने अपना नाम राजस्व अभिलेख पर दर्ज कराकर मूर्ति के नाम भूमि को अपने स्वामित्व की भूमि बताकर कई व्यक्तियों को कलेक्टर से अनुमति लिये बगैर पंजीयक कार्यालय दुर्ग से सांठ-गांठ कर विक्रय कर रहा है। जबकि वास्तविकता यह है कि पंजीयक कार्यालय दुर्ग के माध्यम से फर्जी महंत धर्मेन्द्र दास के द्वारा जिन-जिन व्यक्तियों को मूर्ति की नाम पर पटवारी रिकार्ड में दर्ज भूमि को विक्रय किया है उनका नामांतरण को अनुविभागीय अधिकारी , संभागायुक्त, राजस्व मण्डल रायपुर द्वारा खारिज कर दिया गया है। उपरोक्त आदेश में महंत धर्मेन्द्र दास को यह स्पष्ट रूप से अवगत कराया गया है कि मंदिर की भूमि को कलेक्टर की अनुमति के बिना विक्रय नहीं की जा सकती। बावजूद महंत धर्मेन्द्र दास कलेक्टर से अनुमति ना लेकर कई व्यक्तियों से मंदिर की भूमि को अपनी भूमि बताकर विक्रय कर रकम ऐंठ लिया है। वास्तविकता यह है कि ग्राम नगपुरा के राम जानकी मंदिर के स्वामित्व के भूमि का देख-रेख एवं व्यवस्था सरवराकार स्व. बुधु साव देवांगन के सुपुत्र द्वारा ग्रामवासी नगपुरा के मदद से किया जा रहा है। पुलिस को सौपे ज्ञापन में कहा गया कि ग्राम वासी महंत धर्मेन्द्र दास के विरूद्ध कार्यवाही चाहते है। शिकायत पर महंत धर्मेन्द्र दास के विरुद्ध जांच कर अपराध दर्ज किया जावे। ज्ञापन सौंपने वालों में गोविन्द देवांगन, भाजपा गिरेश साहू, इतवारी निषाद, सुकदेव देवांगन, भागी राम देवांगन आदि शामिल थे।

31 लाख से होगा दो वार्डों में सीमेंटीकरण सड़क का निर्माण, किया गया भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

- वार्ड 10 और 11 में होगा विकास कार्य

नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत विधायक गजेंद्र यादव व महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा पार्षद व नागरिकों के बीच विधि विधान से दो वार्डों में विकास कार्य का भूमिपूजन किया गया।वार्ड 10 सांई मंदिर से घनश्याम अग्रवाल लक्ष्मी आटा चक्की के पास सीसी रोड निर्माण एवं वार्ड 12 स्ट्रीट-19 से 26 तक विश्वकर्मा मंदिर के पास, शंकर नगर रोड व नाली निर्माण कार्य दोनों वार्डों में 31 लाख से होगा।

विधायक गजेंद्र यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल ने भूमिपूजन कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए की सीमेंट सड़क निर्माण का कार्य समय अवधि में पूर्ण किया जाए, ताकि वार्ड के नागरिकों को आवगमन में अच्छी सुविधा मिल सके। उन्होंने ने कहा कि राज्य शासन से विकास कार्य के लिए स्वीकृति मिलने के बाद लगातार भूमिपूजन किया जा रहे है ओर आगे भी करते रहेंगे। कार्यक्रम में सभापति राजेश यादव, पार्षद एमआईसी सदस्य संजय कोहले, पार्षद चंद्रशेखर चन्द्राकर, अजीत वैध, कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम, उपअभियंता विनोद मांझी, विकास दमाहे सहित नागरिकगण मौजूद रहें।

अजेय भारत व अन्य संगठनों ने पौधे लगाकर दिया पर्यावरण स्वच्छता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

- मौके पर 100 से अधिक पौधे रोपे गए

बहुआयामी संगठन अजेय भारत सामाजिक एवं धार्मिक संगठन, हॉकी एसोसिएशन एवं यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा सतरुपा शीतला मंदिर के सामने हॉकी ग्राउंड सिविल लाइंस में पर्यावरण प्रेमियों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी मुख्य अतिथि शामिल हुई। उन्होने पौधे लगाए और आयोजन की सराहना की। नगर निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर, एमआईसी प्रभारी दीपक साहू, भोला महोबिया ने भी पौधे लगाए और दूसरों को भी एक पेड़ अवश्य लगाने प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर अजेय भारत सामाजिक एवं धार्मिक संगठन,यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सदस्यों के अलावा हॉकी खिलाड़ियों व विद्यार्थियों द्वारा उत्साह के साथ वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया गया। वृक्षारोपण में 100 से अधिक पौधे लगाए गए। जिसमें छायादार व फलदार पौधे शामिल है। पौधा लगाकर पर्यावरण प्रेमियों ने पौधों की सुरक्षा का भी संकल्प लिया है। बहुआयामी संगठन अजेय भारत सामाजिक एवं धार्मिक संगठन के प्रमुख संजय डहरवाल ने बताया कि यह वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण एवं लोगों को पेड़ लगाने प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना: दो महिला हितग्राही को दावा राशि का दिया गया चेक

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

- डीएलसीसी व डीएलआरसी समीक्षा बैठक संपन्न

कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में डीएलसीसी व डीएलआरसी की तिमाही समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में समस्त शासकीय योजनाओं की शाखावार 31 मार्च 2024 के लक्ष्य प्राप्ति, किसान क्रेडिट कार्ड, पशु पालन एवं मछली पालन के प्रकरण के प्रस्तुति और स्वीकृति, अस्वीकृति, वित्तीय सेवाएं, विभाग का जनसुरक्षा योजनाओं की अभियान की प्रगति एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की वर्तमान स्थिति, किसान क्रेडिट कार्ड, आधार सीडिंग, वर्ष 2023-24 हेतु एनआरएलएम द्वारा आबंटित लक्ष्य एवं प्रगति, अंत्योदय स्वरोजगार योजना एवं आदिवासी स्वरोजगार योजना की प्रगति की जानकारी ली गई। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने कहा कि बैंकर्स प्राइल्टी सेक्टर में केवल कृषि ही नहीं उद्यानिकी, मत्स्य पालन, पशुपालन के प्रकरणों पर विशेष फोकस करें। शासकीय योजनाओं से संबंधित ऋण प्रकरणों को प्राथमिकता से स्वीकृत करें। विभाग प्रकरण स्वीकृति हेतु बैंकों को प्रस्तुत करें। उन्होंने बैंकों को सीडी रेसियों पर विशेष ध्यान देने कहा। बैठक में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान शासकीय योजना और सामाजिक सुरक्षा योजना में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बैंकर्स को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

शिक्षक संगठन मांगों को लेकर मिले विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से

शिक्षकों ने मांगी कैशलेस इलाज की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

- चिकित्सा प्रतिपूर्ति की परेशानियों से कराया अवगत

शिक्षक संगठन ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री तथा वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से उनके निज निवास में मुलाकात कर छत्तीसगढ़ प्रदेश में कार्यरत सवा दो लाख शिक्षकों सहित 4.5 लाख कर्मचारियों और उनके परिवार के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने की मांग की है ।

प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष को चिकित्सा प्रतिपूर्ति में होने वाली परेशानियां से अवगत कराते हुए बताया कि , अकस्मात दुर्घटना एवं गंभीर बीमारियों की स्थिति में कर्मचारियों को इलाज के लिए धनराशि की व्यवस्था कर पाना बहुत कठिन हो जाता है , साथ ही चिकित्सा प्रतिपूर्ति भुगतान प्रक्रिया में बहुत अधिक समय लगने के साथ-साथ भ्रष्टाचार की भी शिकायतें मिलते रहती हैं ।

प्रतिनिधिमंडल ने छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अस्पतालों में शासकीय कर्मचारी और उनके परिजनों का निशुल्क इलाज होने की स्थिति में कर्मचारियों की एक बहुत बड़ी समस्या का समाधान होने की उम्मीद जताई है । प्रतिनिधि मंडल ने विधानसभा अध्यक्ष से कैशलेस इलाज के अतिरिक्त शिक्षक संवर्ग की पदोन्नति प्रक्रिया में आवश्यक सुधार करते हुए पदोन्नति को अति शीघ्र पूरा करने तथा पदोन्नति उपरांत ही युक्ति युक्तकरण की प्रक्रिया शुरू करने की मांग रखी । डॉ रमन सिंह ने प्रतिनिधिमंडल को शिक्षकों और कर्मचारियों के हितों का ध्यान रखने का पूरा भरोसा दिलाया है।

प्रतिनिधिमंडल ने भी मुख्यमंत्री रहते हुए शिक्षाकर्मी से संविलियन शिक्षक का सम्मान प्रदान करने वाले भूतपूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह पर विश्वास जताया है ।

प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से ओम प्रकाश पाण्डेय, कमल वैष्णव, अमितेश तिवारी, सुनील कुमार स्वर्णकार आदि मुख्यरूप से शामिल रहे ।

बिजनेस साइट

आधुनिक जीवन को - एनर्जी प्रदान करना - एनर्जी में निवेश का महत्व

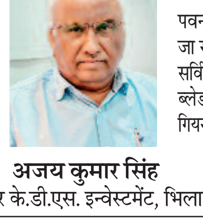

अजय कुमार सिंह
पार्टनर के.डी.एस. इन्वेस्टमेंट, भिलाई

भिलाई। आधुनिक जीवनशैली में एनर्जी आवश्यक हो गई है। हम अपने घर या जीवन की कल्पना लैपटॉप, रेफ्रिजरेटर, माइक्रोवेव, एयर कंडीशनर, इंडक्शन स्टोव, वॉशिंग मशीन, कार और दोपहिया जैसे आधुनिक बिजली के उपकरणों और उपकरणों के बिना नहीं कर सकते। बिजली के उपकरणों पर इस बढ़ती निर्भरता ने एनर्जी की मांग में वृद्धि की है। एनर्जी केवल घरों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और औद्योगिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण वाहक है। घरों से परे, हेल्थकेयर, एफएमसीजी, कपड़ा, रसायन, कृषि, फाइनेंशियल सर्विसेज, तेल और गैस आदि जैसे उद्योग एनर्जी पर बहुत अधिक निर्भर हैं। एनर्जी इंटरनेट सेवाओं, डेटा ट्रांसमिशन, दूरसंचार और प्रसारण स्टेशनों जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का समर्थन करती है ।

एनर्जी सेक्टर के भीतर उद्योग - एनर्जी सेक्टर के तीन मुख्य हिस्से हैं तेल और गैस उद्योग, बिजली उद्योग और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर।

तेल और गैस वैल्यू चेन - इसमें अपस्ट्रीम, मिडस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम कंपनियां शामिल हैं। अपस्ट्रीम तेल और गैस की खोज और डिस्कवरी करती है। मिडस्ट्रीम प्रक्रिया, परिवहन और भंडारण करती है। डाउनस्ट्रीम रिफाइनिंग और विपणन करती है।

पावर वैल्यू चेन - इसमें बिजली के उत्पादन, ट्रांसमिशन और वितरण में शामिल कंपनियां शामिल हैं बिजली उत्पादन में थर्मल, गैस, हाइड्रो, न्यूक्लियर और अन्य तरीकों का इस्तेमाल किया जाता है । ट्रांसमिशन एनर्जी को सबस्टेशनों तक पहुंचाता है, वितरण एनर्जी को उपभोक्ताओं तक पहुंचाता है ।

रिन्यूएबल एनर्जी एवं ग्रीन एनर्जी – सौर और पवन जैसे रिन्यूएबल एनर्जी स्त्रोत तेजी से महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। सौर में इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) सर्विसेज, सहायक उपकरण और विकास शामिल हैं। पवन में ब्लेड उत्पादन, टावर और नैसेल शामिल हैं, जिनमें गियरबॉक्स, शाफ्ट, जनरेटर और ब्रेक होते हैं। इसके अलावा, एनर्जी सहायक फर्म ईपीसी, संचालन, रखरखाव और ऑटोमेशन तकनीक जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करती हैं ।

तो अवसर कहां है ?- भारत का एनर्जी सेक्टर अपनी विकास कथा में महत्वपूर्ण बना हुआ है, जो मजबूत संरचनात्मक विकास से प्रेरित है और आर्थिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में एनर्जी की महत्वपूर्ण भूमिका है। जलवायु परिवर्तन, विनिर्माण क्षमताओं का विस्तार और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि के कारण अगले दशक में एनर्जी की मांग में अनुमानित वृद्धि के साथ, एक आकर्षक लॉन्गटर्म निवेश अवसर के रूप में इसकी क्षमता को दर्शाता है। एनर्जी सेक्टर में रुचि रखने वाले निवेशकों के लिए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड वर्तमान में एनर्जी सेक्टर पर केंद्रित एक नया फंड ऑफर (एनएफओ) चला रहा है, जो 02 जुलाई से 16 जुलाई, 2024 तक खुला रहेगा। इस योजना के निवेश की दुनिया में ग्रीन एनर्जी, तेल और गैस सेक्टर, बिजली और संबंधित सेक्टर से जुड़ी कंपनियां शामिल हैं।

खबर संक्षेप

ग्रामीण बैंक का नए शाखा प्रबंधक बने सौरभ

जामगांव आर। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक जामगांव आर में नए शाखा प्रबंधक सौरभ सोनेकर ने प्रभार ग्रहण किए। श्री सोनेकर ने बताया कि शाखा प्रबंधक अनूप जंघेल का अहिवारा स्थानांतरण हो गया। उपभोक्ताओं ने कहा कि श्री जंघेल बड़े व्यवहार कुशल थे। नए शाखा प्रबंधक का स्वागत उपभोक्ताओं ने किया।

मानिकपुरी समाज के भवन में हुआ बोर खनन

कुम्हारी। दुर्ग लोकसभा के सांसद विजय बघेल के सांसद निधि से सत्य कबीर मानिकपुरी समाज बाजार चौक के भवन में बोर खनन का काम प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम में पूजा अर्चना कर असीम जल प्राप्ति की ईश्वर से कामना करते हुए इस कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि मनोज वर्मा, रामकुमार सोनी, अवधेश शुक्ला, राजू निषाद, फिंगेश्वर साहू , उमाकांत साहू, सुनीता कुर्रे, अजय कुर्रे, रामाधार शर्मा एवं मानिकपुरी समाज के लोग उपस्थित थे।

धमना में पौधारोपण

जामगांव आर। एक पेड़ मां के नाम का आयोजन कर भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा जामगांव आर मंडल अध्यक्ष नारद साहू ने धमना में पौधारोपण कर शुरू किया और कहा कि सभी पर्यावरण से भारत मां को आच्छादित करने के लिए स्वस्फूर्त अभियान का हिस्सा बने। इस अवसर पर नारद साहू अध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा दक्षिण पाटन, भूपेंद्र नेताम, सोनू साहू, चंदन महलवार, पुरायण साहू, जागेश्वर निर्मालकर, मुकेश साहू, ललीत यादव, अजय नेताम, सुभम अग्रवाल ने सहभागिता दिए।

आषाढ़ महीने में खामोश मेघों से किसान चिंतित, खेती किसानी ठप्प

मवेशियों का रोका-छेका भी फेल, मवेशी खेतों में धान के पौधों को चरकर पहुंचा रहे नुकसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| निकुम

अच्छे मानसून की उम्मीद में खेती किसानी की तैयारी में जुटे किसान अब बारिश कम होने से चिंतित है। किसानों ने बीते 18 जून से ही किसानों ने अच्छी फसल की उम्मीद में बीज डाल चुके किसानों को अब बारिश नहीं होने से नुकसान उठाना पड़ रहा है। बरसात में भी सूरज आग उगल रहा है, तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण किसानों को बीज फेल होने पर दोबारा बीज बोना पड़ा है, कई किसानों व नदी किनारे सिंचित मोटर पंप कनेक्शन खेतो में धान का थरहा तैयार हो चुका है, लेकिन बिन पानी सब सून के कारण रोपाई, मताई नही होने से टैक्टरों के पहिए घरों में थम गए हैं। वहीं खेती किसानी मजदूरों को निंदाई, रोपाई का भी समुचित काम नही मिल रहा है। बीते पखवाड़े भर से आसमान से ऊट के मुंह में जीरा के बराबर आसमान से पानी टपके हैं, गौर हो कि खेतों में धान के हरे हरे पौधे निकल रहे हैं, लेकिन पर्यापत बारिश व समय पर खाद नही मिलने से पौधे व किसानों के चेहरे आषाढ़ महीने में खामोश मेघों से किसान चिंता में दिख रहे हैं। वहीं रोका छेका भी फैल होते दिख रहा है, खेतों में मवेशी धान चरकर नुकसान कर रहे हैं। अंचल के निकुम, आमटी, विनायपुर सहित समीपस्थ बालोद जिले के गांव के खेत सूखे हैं, गौर हो कि लगातार अवैध तरीके से क्षेत्र में पेड़ों की अंधाधुंध कटाई जिले के जिम्मेदार अधिकारियों के धृतराष्ट्र रीति नीति हो रही है, जिसके कारण जलस्तर गिरते जा रहा है। लगभग इस क्षेत्र के किसान वर्ष भर आधारित खेती करते हैं, क्षेत्र के कुछ हिस्सों में खरखरा मोंहदीपाठ योजना नहर नाली से आखरी गांव होने के कारण लेट से पानी किसानों को मिलता है। अच्छी बारिश की आशा लेकर किसानों ने पूरी उम्मीद से खेतों में खाद, बीज डालकर बंपर फसल की आस लेकर मेहनत कर रहे किसानों के सपनों पर रुठे मौसम से चिंता बढा दी है। निकुम के किसान मुरली देशमुख ने बताया कि किसान चिंता में है, बारिश नही होने के कारण खेती किसानी काम नही हो रहा है।

जामगांव एम में पाटन ब्लाक स्तरीय प्रवेश उत्सव का किया आयोजन

एक बेटी जब शिक्षित होती है तब दो परिवार को शिक्षित करती है: सांसद विजय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेलूद

नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत कर निःशुल्क पाठ्य पुस्तक और गणवेश वितरण किया

विकास खंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन शुक्रवार को स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय जामगांव एम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल थे। अध्यक्षता हर्षा लोकमणी चंद्राकर जिला पंचायत सदस्य, विशिष्ट अतिथि रामबाई सिन्हा अध्यक्ष जनपद पंचायत पाटन, जितेन्द्र वर्मा भाजपा जिला अध्यक्ष दुर्ग, अरविंद मिश्रा जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग, लोकमणी चंद्राकर भाजपा मंडल अध्यक्ष उत्तर पाटन, लालेश्वर साहू भाजपा मंडल अध्यक्ष दक्षिण पाटन, खेमलाल साहू भाजपा मंडल अध्यक्ष मध्य पाटन, राकेश चंद्राकर सरपंच ग्राम पंचायत जामगांव एम सहित अन्य थे।

विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा नवप्रवेशी छात्रों का स्वागत तिलक लगाकर एवं मिठाई खिलाकर निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें और गणवेश वितरण किया गया। कक्षा 9 में प्रवेशित छात्रों को सरस्वती सायकल योजना अन्तर्गत निःशुल्क सायकल प्रदान किया गया। इस मौके पर सफाई कर्मचारियों, 10वीं एवं 12 वीं के प्रवीण्य सूची में स्थान बनाने वाले छात्र-छात्राओं का खेल में राष्ट्रीय स्तर प्रतिनिधत्व करने वालों का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने कहा पवित्र मन से, पवित्र भाव से बच्चो के पवित्र शाला प्रवेश उत्सव में शामिल होकर बच्चों को गुरुजनों के हर लक्ष्य की प्राप्ति हो। श्री बघेल ने कहा बेटी जब शिक्षित होते है तब दो परिवार को शिक्षित करती है। आज 95 प्रतिशत स्कूलों में बेटियों की संख्या अधिक है। बेटियां आज हर मुकाम में आगे है। जो माता पिता अपने बच्चों को पढ़ा नहीं पाते उसमे आप अपनी भागीदारी निभा कर एक बच्चों को शिक्षित करने में योगदान दें। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा ने कहा पहले बच्चे स्कूल जाने से घबराते थें लेकिन आज बच्चे स्कूल जाने को उत्सुक रहते हैं। बच्चों की इस उत्सुकता को बनाए रखने की जवाबदारी पालक,शिक्षक और हम सबकी है। जिला पंचायत सदस्य हर्षा चंद्राकर ने कहा आप सब जीवन के पहले पड़ाव शिक्षा के क्षेत्र में आते है इसलिए स्वागत और अभिनंदन का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस मौके पर एसडीएम दीपक निकुंज, दिलीप साहू, अमित शुक्ला, जैनेंद्र गंजीर, ललित बिजौरा, सालिक राम ठाकुर, खिलेश वर्मा, सुशील सूर्यवंशी, पोसू राम निर्मलकर, दिलीप देवांगन, सुरेश सिंगौर, राजू साहू, रवि सिंगौर, ओमप्रकाश वर्मा, कैलाश यादव, कुणाल शर्मा आदि उपस्थित थे।

पदोन्नति पहले हो बाद में युक्तियुक्तकरण: फेडरेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेलूद

■ अध्ययन व अध्यापन के गुणवत्ता के लिये विषय और कक्षा संख्या के अनुसार शिक्षकों की पदस्थापना की मांग की

सेवा भर्ती पदोन्नति नियम 2019 के अनुसार सभी शिक्षक संवर्ग के पदों पर पदोन्नति की कार्यवाही करना विद्यार्थी हित में है। मार्च 2020 के स्थिति में प्राचार्य के 2820 पद रिक्त थे। सेवानिवृत्ति के फलस्वरूप आँकडा और अधिक हो गया है। टी-संवर्ग में 2013 एवं ई-संवर्ग में 2016 से प्राचार्य पदोन्नति नहीं हुआ है। तकरीबन यही हाल व्याख्याता के रिक्त रहे 9622 पदों का है। जोकि सेवानिवृत्ति के कारण और अधिक हो गया है। प्रधानपाठक मिडिल स्कूल के 5715, शिक्षक के 15969 एवं प्रधानपाठक प्राथमिक शाला के 20678 रिक्त पदों पर कमोबेश यही स्थिति है।

फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी, प्रांतीय महामंत्री राकेश चंद्र साहू, प्रांतीय कोषाध्यक्ष राजेंद्र कुमार चंद्राकर, प्रांतीय संगठन मंत्री कुबेर राम देशमुख, जिला अध्यक्ष देवेंद्र कुमार बंछोर, जिला महामंत्री कृष्ण कुमार धुरंधर, संभागीय अध्यक्ष डॉक्टर बीके दास, संभागीय महामंत्री देशबंधु शर्मा एवं विकासखंड अध्यक्ष टीकाराम साहू का कहना है कि अध्ययन एवं अध्यापन की गुणवत्ता के लिए प्राथमिक, माध्यमिक, हाई और उच्चतर माध्यमिक स्कूलों में कक्षावार दर्ज संख्या के अनुसार विषय शिक्षकों की पदस्थापना आवश्यक है। इसके लिए शिक्षक संवर्ग के रिक्त पदों को पदोन्नति द्वारा भरे जाने के बाद ही युक्तियुक्तकरण करना उचित होगा। उन्होंने बताया कि पदोन्नति के पश्चात ही शालावार अतिशेष शिक्षकों की वास्तविक स्थिति का आंकलन करना चाहिये। अन्यथा अनेक विद्यालय विषय शिक्षक/शिक्षक विहीन हो जाने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि प्राथमिक विद्यालय में 5 कक्षा एवं 4 विषय, पूर्व माध्यमिक में 3 कक्षा एवं 6 विषय, हाई स्कूल में 2 कक्षा एवं 6 विषय तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा के अतिरिक्त कॉमर्स संकाय के 3 विषय, कला संकाय के 3 विषय, गणित/बायोलॉजी के 3 विषय के 5 कक्षाओं में अध्यापन होता है जो कि संकाय अनुसार न्यूनतम है। कक्षाओं की संख्या दर्ज संख्या पर निर्भर होता है।

फेडरेशन का कहना है कि छात्रहित के दृष्टिगत स्कूलों में अतिशेष शिक्षकों का निर्धारण पदोन्नति से पदस्थापना करने के बाद किया जाना चाहिए। पहले पदोन्नति फिर युक्तियुक्तकरण का नीति निर्धारण होना शिक्षक एवं शिक्षार्थी हित में होगा।

प्यारे लाल काव्यमय सरस साहित्य सम्मान से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

काव्य मय सरस साहित्य सम्मान 2024 वरिष्ट गीतकार प्यारे लाल देशमुख निकुम को गुण्डरदेही में साहित्यकार विश्राम सिंह के पूजा के फूल हा उपन्यास का विमोचन कार्यक्रम सरस साहित्य समिति के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में के मुख्य अतिथि रुपनारायण सिन्हा रायपुर अध्यक्षता प्रांतीय छग साहित्य समिति के अध्यक्ष, कान्हा कौशिक एवं विशेष अतिथि गीतकार सीताराम साहू श्याम, गीतकार गिरवर दास मानिकपुरी, राष्ट्रीय कवि संगम जिला बालोद अध्यक्ष, अखिलेश्वर मिश्रा और सेवानिवृत्त प्राचार्य डीआर साहू थे। वहीं केशवराम साहू के संचालन के साथ अंचल के विभिन्न प्रसिद्ध कवियों की उपस्थिति में गीतकार प्यारे लाल देशमुख निकुम को काव्यमय सरस साहित्य सम्मान प्रदान किया गया। शारदा साहित्य समिति निकुम की ओर से कवि प्यारेलाल देशमुख के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ बधाइयां दी गई। उक्त जानकारी शारदा साहित्य समिति के अध्यक्ष कवि-चंद्रिका प्रसाद देशमुख, दिनेश्वर चन्द्राकर एवं तुलसीराम देशमुख ने दी।

वन धरती के फेफड़ें हैं जो हवा को शुद्ध कर जीवों को ऊर्जा प्रदान करती है: विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

■ शाउमा अंडा में पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा अंतर्गत ग्राम अण्डा में महान क्रांतिकारी सुखदेव राज की पुण्यतिथि पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अण्डा में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत शाला परिसर में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया एवं सभी से एक-एक पेड़ लगाकर पर्यावरण को स्वच्छ बनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर जे कहा कि एक पेड़ मां के नाम, वन हमारी धरती के फेफड़े हैं जो हवा को शुद्ध करते हैं और हम लोगों को नई ताकत देते हैं, वृक्ष लगाएं जीवन बचाए। उन्होने सभी से अपील किया कि अपने-अपने कार्य क्षेत्र में अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण कर उसको एक वृक्ष बनते तक सेवा करे और पुण्य का भागीदारी बने। इस अवसर पर साहित्य कार व कवि गुलवीर सिंह भाटिया, सरपंच उमादेवी चंद्राकर, उपसरपंच अमित चंद्राकर, भारतीय पेंशनर महासंघ अध्यक्ष बीके वर्मा, बीके शर्मा, केके साहू, सीएल वर्मा, अजीत चंद्राकर, सांसद प्रतिनिधि मनोज चंद्राकर, महामंत्री पुकेश चंद्राकर, पानी पंचायत अध्यक्ष तिलक चंद्राकर, हेमेंद्र चंद्राकर, विधायक प्रतिनिधि फेंकू चंद्राकर, विधायक प्रतिनिधि बलदाऊ चौहान, यशवंत देवांगन, लोकेश देवांगन, डीपी चंद्राकर, पुकेश चंद्राकर, दीनदयाल साहू, आरके योगी, प्राचार्य सीमा जाम्बुलकर सहित आदि उपस्थित थे।

एक पेड़ मां के नाम पर पौधारोपण

निकुम। स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल निकुम में शनिवार को स्कूली बच्चों ने एक पेड़ मां के नाम पर आम, नीम, कदम सहित अनेक पौधे प्रभारी प्राचार्य जीएल बंजारे सहित शिक्षिका खुशबू मिश्रा, हशर, रिया बेहरन, डॉ. दिव्या पवार, मंजूलता देवांगन, साक्षी साहनी सहित सभी स्टाफ ने मिलकर पौधारोपण किया।

उपतहसील जामगांव आर में अब रोजाना उपलब्ध होंगे अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जामगांव आर

उपतहसील जामगांव आर में अतिरिक्त तहसीलदार ममता टावरी ने पदभार संभाला और बताया कि वे रोजाना उपतहसील जामगांव आर में उपलब्ध रहेगी। अतिरिक्त तहसीलदार ने आम जनता से सतत सहयोग की अपील किए और शुक्रवार देर शाम तक प्रकरण बड़ी तल्लीनता के साथ निपटाते रही। विदित हो कि पूर्व प्रदेश सरकार द्वारा लागू किए गए नियम के तहत उपतहसील जामगांव आर सोमवार से शुक्रवार ही खुली रहेगी। शनिवार रविवार अवकाश रहेगा। जामगांव आर उपतहसील में अधिकारियों के तूफानी गति से ट्रांसफर चर्चा का विषय बना हुआ है। नायब तहसीलदार भूपेंद्र सिंह बहुत कम दिनों सेवा दिए । ऐसी स्थिति में प्रकरण को समझने में टाइम लगता है और ग्रामीणों को उसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी सरकार के समय जामगांव आर में उपतहसील प्रारंभ हुआ था। भवन के अभाव में नायब तहसीलदार इधर उधर अस्थाई जगह पर प्रकरण निपटाते रहे। अब जब भवन बन गया है तब नायब तहसीलदार टिक नही पा रहे हैं अल्प समय में ही स्थानांतरण बलवती होते लोगों ने बड़ी हैरानी से देखे।

नोटरी के लिए 40 किलोमीटर के चक्कर से लोग परेशान

अधिकारी आते है जनता दर्द बताती है आश्वासन देकर अधिकारी चले जाते हैं, समस्या ज्यों की त्यों बनी रहती है जिससे पब्लिक अधिकारी पर विश्वास करने से हिचकते लगे हैं। जामगांव आर ग्राम पंचायत में वर्ष के प्रारंभिक दौर में लगे राजस्व शिविर में एडीएम ने जनता की मांग पर कहा था कि उपतहसील जामगांव आर दो तीन दिन नोटरी की सुविधा उपलब्ध होगी। इस संबंध में एडीएम दीपक निकुंज ने एडीएम से बात करने का आश्वासन दिए हैं। नोटरी सुविधा के अभाव में लोग 40 किलोमीटर अपडाउन अतिरिक्त चक्कर लगाने विवश है। शीघ्र नोटरी सुविधा की मांग किए है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने योगदान को किया याद

कुम्हारी भाजपा मंडल ने मनाई डॉ. श्यामा प्रसाद जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुम्हारी

भारतीय जनता पार्टी कुम्हारी मंडल के द्वारा जनसंघ के संस्थापक, प्रखर वक्ता एवं देश में एक निशान, एक विधान, एक प्रधान का मंत्र देने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती कुम्हारी मंडल के द्वारा वार्ड क्रमांक 15 स्थित सांसद कार्यालय में मनाया गया। सर्वप्रथम पुष्पांजलि कर दीप प्रज्जवलित की गई। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश पाण्डेय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी देश की एकता व अखंडता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था। इन्हीं की विचारधारा से प्रेरित होकर 5 अगस्त 2019 को धारा 370 एवं आर्टिकल 35 को समाप्त किया गया। मुखर्जी ने मुस्लिम लीग के पश्चिम बंगाल विभाजन को अपने कुशल नेतृत्व एवं राष्ट्रवादी विचारधारा के द्वारा बंगाल का विभाजन नहीं होने दिया। वे कोलकाता के एक प्रतिष्ठित परिवार में जन्म लिए और प्रखर राष्ट्रवादी नेता रहे, सबसे कम 33 वर्ष की उम्र में कोलकाता यूनिवर्सिटी के कुलपति बनने का गौरव प्राप्त है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के शिक्षा व उनके राजनीतिक जीवन के पर प्रकाश डालें तो इंग्लैंड से बैरिस्टर की पढ़ाई करके लौटे एवं पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता एवं वित्त मंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दी। 21 अक्टूबर 1951 में आप ने जनसंघ की स्थापना की, आपने सन 1951-52 के आम चुनाव में जनसंघ पार्टी के नेतृत्व में ही चुनाव लड़कर सांसद बने थे। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शिक्षाविद ,महान चिंतक एवं जनसंघ के संस्थापक थे। इस कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष राजू निषाद, पूर्व मंडल अध्यक्ष पीएन दुबे, पूर्व नेता प्रतिपक्ष मिथिलेश यादव, सांसद प्रतिनिधि मनोज वर्मा शासकीय महाविद्यालय सांसद प्रतिनिधि रामाधार शर्मा, सांसद प्रतिनिधि शासकीय हाई स्कूल रामकुमार सोनी, किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गोल्डी गोस्वामी, वरिष्ठ भाजपा नेता अवधेश शुक्ला, मंडल महामंत्री लोकेश साहू, राजमहंत एवं पार्षद ओंकार मार्कंडेय, पार्षद विनोद बंजारे, मंडल उपाध्यक्ष दीपक चतुर्वेदी,पूर्व युवा मोर्चा अध्यक्ष उमाकांत साहू, पूर्व युवा मोर्चा अध्यक्ष सुजीत यादव, पूर्व एल्डरमैन फिंगेश्वर साहू, छाया पार्षद विकास सोनकर, पूर्व किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष अश्वनी देशलहरे, राजेश सिन्हा एवं राम प्रकाश गुप्ता आदि उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

सीएम से सुपेला अंडरब्रिज का नामकरण जेपी के नाम की मांग

भिलाई। जेपी स्मारक प्रतिष्ठान के अध्यक्ष आरपी शर्मा ने सीएम व नगरीय निका मंत्री से सुपेला अंडर ब्रिज का नामकरण जयप्रकाश नारायण के नाम पर किए जाने की मांग की है। इस बाबत उन्होंने उपमुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के मंत्री अरुण साव को प्रतिलिपि भेजी है । उन्होंने कहा कि सरकारी दस्तावेजों में भी इसे जेपी प्रतिमा स्थल के नाम पर जाना जाता है। रेलवे क्रासिंग में दो वर्ष पूर्व जब अंडर ब्रिज परियोजना लाई गई, तब रेलवे ने यहां स्थापित जेपी की प्रतिमा को हटाने का षड़यंत्र किया, जिसके विरोध पर रेलवे ने यथावत रखा था।

कमल पुनः प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ के अध्यक्ष निर्वाचित

सेलूद। कमल वर्मा छत्तीसगढ़ प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ के पुनः निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। संघ की आमसभा प्रांतीय कार्यालय शंकर नगर रायपुर में संपन्न हुई। प्रांताध्यक्ष कमल वर्मा ने अपने पांच साल के कार्यकाल में प्रदेश के राजपत्रित अधिकारियों के हित में किए गए कार्यों एवं उपलब्धियों से अवगत कराया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुभाष मिश्र ने कहा कि कमल वर्मा ने अपने प्रयासों से अधिकारियों की हकों की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाने में पूरी तरह सफल रहे। निर्वाचन अधिकारी अजय पाठक, पूर्व वित्त नियंत्रक नाप तौल विभाग ने राजपत्रित अधिकारी की सर्वसम्मति से कमल वर्मा को निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया। आमसभा में नंदलाल चौधरी, भूपेंद्र पांडेय, संजीव तिवारी, प्रतीक खरे, डीपी टावरी, पीएल सहारा, पूषण साहू, डॉ. अशोक पटेल, डॉ. सोम गोस्वामी, अभिषेक शर्मा, डॉ. दीपक चंद्राकर, डॉ. व्ही के पैगवार, डॉ. एके कोसरिया, डॉ. एस एल ओगरे, डॉ. एच चंद्राकर, डॉ. आरके चौरसिया, डॉ. दीपेश रावटे, डॉ बीके विश्वकर्मा, डॉ. केके ठाकुर, डॉ. आईपी यादव आदि उपस्थित थे।

तीनों शिफ्टों में काम करने वाले श्रमिकों को दें नाइट शिफ्ट एलाउंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

स्टील ठेका श्रमिक यूनियन इंटक ने भिला इस्पात संयंत्र के ठेका मजदूरों को प्रबंधन से एडब्ल्यूए राशि दिलवाने की मांग की है। साथ ही तीनों शिफ्टों में काम करने वालों को नाइट शिफ्ट एलाउंस दिलाने और जोराराई गेट तथा 17 नंबर गेट का विस्तार करने कहा है। इससे मजदूरों को सुविधा होगी।

यूनियन के के अध्यक्ष संजय कुमार साहू के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल बीएसपी में कार्य कर रहे ठेका श्रमिकों की समस्या को लेकर महाप्रबंधक प्रभारी औद्योगिक संबंध और ठेका प्रकोष्ठ जेएन ठाकुर के साथ बैठक कर चर्चा किया । बताया कि सेल द्वारा 8 फरवरी को घोषित 14 00 रुपए प्रतिमाह ए डब्ल्यू ए के रूप में देने का निर्णय हुआ था लेकिन अभी भी बहुत से ठेका कंपनी ठेका श्रमिकों को ए डब्ल्यू ए की राशि नहीं दिए हैं एवं कुछ ठेका कंपनियों ए डब्ल्यू ए की राशि कम दिया जा रहा है जिसकी शिकायत की गई । इसके अलावा बीएसपी प्रबंधन से मांग की रात्रि पाली में संयंत्र के उत्पादन एवं रखरखाव में तीनों शिफ्ट में कार्य करने वाले ठेका श्रमिकों को रात्रि भत्ता दिया जाए। एचएसएलटी ठेका श्रमिकों का केवाईसी जल्द किया जाए, जिससे कि उनको पेंशन की राशि प्राप्त हो सके। बीएसपी में कार्यरत ठेका श्रमिकों को संयंत्र के सभी गेटों से आने-जाने की सुविधा दी जाए जिससे कि उन्हें ईएसआईसी एवं आईआर विभाग में आने जाने के लिए सुविधा हो। जोरातराई एवं 17 नंबर गेट का विस्तार किया जाए।

जीएम से मिले स्टील ठेका श्रमिक यूनियन के पदाधिकारी

हार्ड जॉब करने वाले श्रमिकों को दें इंसेटिव

श्री साहू ने कहा कि हार्ड जॉब , हजार्ड ,हिट एवं डस्ट में कार्य करने वाले ठेका श्रमिकों को इंसेंटिव के रूप में अतिरिक्त राशि दिया जाए। ठेका श्रमिकों की ईपीएफ की राशि पूर्ण रूप से जमा किया जाए कुछ कंपनियों द्वारा सीपीएफ की राशि पूर्ण रूप से जमा नहीं की जा रही है। सभी ठेका श्रमिकों का 10 लाख का दुर्घटना बीमा जल्द से जल्द किया जाए और पूरे परिवार का पंजीयन ईएसआईसी कार्ड में किया जाय । महाप्रबंधक प्रभारी ने आश्वस्ति किया। एजीएम रोहित हरित प्रबंधक निवेश विजयन एवं यूनियन की ओर से सीपी वर्मा दीनानाथ सिंहसार्वा, गुरुदेव साहू उपस्थित थे।

सीटू ने की नान एक्जीक्यूटिव प्रमोशन पालिसी रद्द करने की मांग

पदनाम के एकतरफा निर्णय का बढ़ा विरोध, डिप्लोमा इंजीनियर को नुकसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

सेल में पदनाम को लेकर यूनियनों की सहमति के बिना निर्णय का विरोध शुरु हो गया है। सेल प्रबंधन के बाद बीएसपी प्रबंधन द्वारा जारी किए गए सर्कुलर पर सीटू ने कहा कि एक बार फिर प्रबंधन ने एक तरफा निर्णय लेते हुए अलग-अलग क्लस्टर में दिए जाने वाले पदनाम को जारी किया है । जबकि इस मुद्दे पर दिल्ली में सब कमेटी गठित थी जिसने अभी तक पदनाम पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। यूनियनों ने प्रबंधन द्वारा दिए गए प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। पदनाम को लेकर कर्मचारियों के साथ धोखा हुआ है।

सीटू के मुताबिक प्रबंधन द्वारा इसके पूर्व भी एकतरफा निर्णय कर एम ओ यू, बोनस फार्मूला, नाइट शिफ्ट एलाउंस जैसे मुद्दे पर बहुमत बनाया गया, जिन मुद्दों पर बहुमत बनाना संभव नहीं था उन मुद्दों पर एक तरफा निर्णय लिया गया। उसमें केंद्र सरकार की सहमति नजर आता है जैसे एरियर्स ना देने के मुद्दे पर अफॉर्डेबिलिटी क्लॉज है तो ग्रेच्युटी सीलिंग के मामले में इस्पात मंत्रालय की सहमति रही है । अब पदनाम का मुद्दा सामने आया है अर्थात प्रबंधन सरकार के शह पर इस तरह के निर्णय ले रही है।सीटू नेता डीवीएस रेड्डी ने कहा कि लगातार युवा कर्मियों द्वारा जूनियर इंजीनियर पदनाम की मांग को लेकर संघर्ष करने बाद भी मांग के अनुसार निर्णय न लेते हुए प्रबंधन ने यूनियनों द्वारा मना करने के बावजूद जिस तरह का एक तरफा निर्णय लिया है वह सरासर संघर्ष कर रहे युवा कर्मियों के साथ धोखा है। प्रबंधन के सर्कुलर में स्पष्ट है कि जूनियर इंजीनियर पद नाम डी क्लस्टर में दिया जाएगा यानी युवा कर्मियों को जूनियर इंजीनियर पदनाम कब मिलेगा या मिलेगा कि नहीं सब अधर में है।

सेल कर्मचारियों के साथ हुआ धोखा, प्रबंधन करे न्याय

सभी डिप्लोमा इंजीनियर को नहीं मिलेगा लाभ

डी क्लस्टर के लिए पहले से ही नॉन एग्जीक्यूटिव प्रमोशन पॉलिसी में जो व्यवस्था की गई है । इस व्यवस्था के तहत डिप्लोमा इंजीनियरिंग शैक्षणिक योग्यता के साथ एस- 3 में भर्ती 22 वर्ष का युवा कर्मी एस- 9 में पहुंचते 45 वर्ष का हो जाएगा वही एस 1 ग्रेड में भर्ती हुआ 22 वर्ष का युवा कर्मी एस -9 में पहुंचते 52 वर्ष का हो जाएगा । नॉन एग्जीक्यूटिव प्रमोशन पॉलिसी के अनुसार एस-9 में पहुंचने का मतलब डी क्लस्टर में पहुंचाना नहीं होगा।

18 प्रति. ही डी क्लस्टर में होगा

एनईपीपी के अनुसार जितने लोग नौकरी में होंगे उतने ही पद को सैंक्शन मानते हुए उसका 18% पद ही डी क्लस्टर में होंगे। मैनपॉवर घटने के साथ डी क्लस्टर के पदों की संख्या भी घटती जाएगी। इसके कारण एस -9 अथवा एस-10 में पहुंचे हुए कर्मी एक्सटेंडेड क्लस्टर का तमगा लेकर डी क्लस्टर के बजाय सी क्लस्टर में रहेंगे जिसके कारण जो थोड़े बहुत कर्मी डी क्लस्टर में होंगे उनकी संख्या बहुत कम होगी बाकी अधिकांश कर्मी सी क्लस्टर में ही सेवानिवृत हो जाएंगे । सीटू ने नॉन एग्जीक्यूटिव प्रमोशन पॉलिसी रद्द करें और पदनाम के मुद्दे पर तत्काल यूनियनों से चर्चा करने की मांग की है।

सुरक्षा के मद्देनजर रेलवे स्टेशन में किया चेकिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

- दुर्ग रेलवे स्टेशन में जीआरपी, आरपीएफ और दुर्ग पुलिस थी
- संदिग्धों से हुई पूछताछ और डॉग स्क्वाड भी था

रेलवे स्टेशन दुर्ग में सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए जीआरपी, आरपीएफ और मोहन नगर पुलिस ने औचक निरीक्षण कर चेकिंग किया। इस दौरान बीडीएस, डाग स्कॉट टीम के द्वारा रेल्वे स्टेशन के चप्पे चप्पे पर सुरक्षा को लेकर चेकिंग किया गया। आने जाने वाले संदिग्ध किस्म के लोगों से पूछताछ भी की गई। यार्ड में आने वाले पार्सल का बीडीएस,डाग स्क्वाड के द्वारा चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान ट्रेन मे सफर कर आने जाने वालों से भी पूछताछ की गई। एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि सुरक्षा को लेकर हर आने जाने वालों के सामानों को भी चेक किया गया। जीआरपी ने संदिग्ध व्यक्तियों की टिकट की भी जॉच की। मोबाइल से भी बात कर व्यक्तियों के परिचित से भी जानकारी ली गई। रेल्वे स्टेशन में जो भी संदिग्ध व्यक्ति मिले उन्हें मोहन नगर थाना लाकर पूछताछ की गई। चेकिंग का उद्देश्य दुर्ग पुलिस, रेल्वे पुलिस के द्वारा रिस्पांस टाईम और आपसी तालमेल बनाना था। निरीक्षण में एएसपी सुखनंदन राठौर, सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी, ट्रैफिक डीएसपी सतीष ठाकुर, डीएसपी चंद्रप्रकाश तिवारी, रक्षित निरीक्षक नीलकंठ वर्मा, रेलवे निरीक्षक संजीव कुमार सिन्हा, जीआरपी से उनिरिक्षक केबी राठौर और मोहन नगर प्रभारी मौजूद थे।

अहिरवार समाज के पदाधिकारियों ने ली शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

अहिरवार समाज जिला इकाई का शपथ ग्रहण समारोह व छत्रपति शाहू महाराज की जयंती सामुदायिक भवन वार्ड क्रमांक 9 में संपन्न हुई। मुख्य अतिथि के रूप में सेल एससीएसडटी फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील रामटेक एवं कार्यक्रम के अध्यक्षता सर्व रविदास समाज के अध्यक्ष प्रो. के यल टांडेकर अतिथि थे। छग सरकार से प्रतिनिधित्व की मांग और समाज के मुद्दे उठाने प्रतिनिधि मंडल द्वारा रायपुर में मिलने पर चर्चा हुई। मुख्य अतिथि द्वारा जिला अध्यक्ष नंदू राम रेडकर एवं उनकी टीम को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में आरपी लांजी, मुरीद खरे रेवाराम खरे रमेश लांजी दुख दास हटील, काशीराम पनागर आदि उपस्थि थे।

सतर्कता और जागरुकता से बचा सकते हैं खुद की व दूसरों की जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

- फाईट द बाईट अभियान के तहत कार्यशाला आयोजित की

नगर निगम रिसाली की आयुक्त मोनिका वर्मा और जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. सीबीसी बंजारे ने फाईट द बाईट अभियान के तहत शुक्रवार को कार्यशाला आयोजित की। जिसमें बचाव के तरीकों को विस्तार से बताया। निचली बस्ती हो या फिर पॉश कालोनी मच्छर का प्रकोप हर जगह होता। मच्छर के काटने से डेंगू, चिकन गुनिया, मलेरिया, जानलेवा बीमारी समेत फाइलेरिया से बचाव हम खुद कर सकते हैं। जरूरत है सप्ताह में एक दिन बस आधा घंटा समय की। यह समय न केवल स्वयं को स्वस्थ्य रखेगा बल्कि महामारी को पनपने से रोकेगा। कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग के सुपरवाइजर, आजीविका विभाग के सिटी मिशन प्रबंधक, सीआरपी समेत अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। खास बात यह है कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी फाईट द बाइट अभियान को प्राथमिकता से जिले में लागू किया है।

कार्यस्थल की करें सफाई

आयुक्त मोनिका वर्मा ने कहा कि कर्मचारी प्रत्येक बुधवार को अपने कार्य स्थल पर सफाई करे और रविवार को अपने घर और आस पड़ोस में आधा घंटे समय खुद के लिए निकालने प्रेरित अवश्य करे। वहीं जिला मलेरिया अधिकारी ने बचाव के तरीके को विस्तार से बताया। उन्होने कहा कि सबसे पहले कूलर को साफ करें। अगर आपको कूलर के टैंक में लार्वा या फिर कूलर में कीड़े नजर आए तो टेमीफॉस डाले ओर 1 घंटे तक कूलर में लगे टुल्लू पंप को चालू रखे। इसके बाद पानी को खाली कर दे। घर के आंगन, किचन गार्डन और छत को अच्छे से देखे कि ऐसा कोई बर्तन, खिलौना का टुकड़ा या फिर ऐसा कोई चीज तो नहीं पड़ा है, जिसमें बारिश का पानी जमा हो। घर के परिसर में खुले में डस्टबीन रखा है तो उसे ढक कर रखे।

छग कर्मचारी कांग्रेस ननि भिलाई की बैठक आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

छग कर्मचारी कांग्रेस प्रकोष्ठ नगर निगम भिलाई की आवश्यक बैठक मंगलवार को अपराह्न 1 बजे संघ कार्यालय इंडियन बैंक सुपेला में आयोजित है।

बैठक में नगरी निकायों में 1 तारीख को वेतन अनिवार्य रूप से भुगतान करने, अनुकंपा नियुक्त व सेवानिवृत कर्मचारियों अधिकारियों की देनदारियां अति शीघ्र हो विभागीय पदोन्नति सीधी नियुक्ति के पत्तों पर तत्काल 1 वर्ष के लिए तितली करणकर करने और कार्यभारित कर्मचारियों को सभी कर्मचारियों के समान पेंशन दिलाने की मांगों पर चर्चा होगी। प्रकोष्ठ के सचिव संजय शर्मा ने बताया कि कुम्हारी में आयोजित महासंघ नगरी निकाय के बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार चरणबध तरीके से नगरी निकायों में वेतन समस्या का निराकरण शासन स्तर से नहीं किए जाने के कारण निम्नानुसार हड़ताल किए जाने का निर्णय लिया गया है। कर्मचारी 18 व 19 जुलाई काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया जाना है। बाईस को एक दिवसीय कलमबंद हड़ताल प्रदर्शन व 29 जुलाई को जिला इस्तरी हड़ताल प्रदर्शन किया जाना है।

बिजली दरों की बढ़ोतरी के विरोध में कांग्रेस का धरना प्रदर्शन आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

बिजली दरों में बढ़ोतरी के विरोध में कांग्रेस 8 जुलाई को उग्र प्रदर्शन करेगी। प्रदेश संगठन के निर्देश पर जिला संगठन ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। इसे लेकर शनिचरी बाजार स्थित कांग्रेस भवन में बैठक हुई। बैठक में जंगी प्रदर्शन को लेकर जिम्मेदारी तय की गई। राजीव भवन में हुई बैठक में पूर्व विधायक अरुण वोरा ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार की गलत नीतियों के चलते राज्य में विद्युत आपूर्ति सरप्लस होने के बावजूद विद्युत दर में वृद्धि की गई है। बार-बार बिजली कटौती से किसान और जनता पहले ही परेशान है। दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में कई कार्य लंबित हैं। शहर में लंबे समय से स्ट्रीट लाईट बंद हैं। ठगड़ाबांध ब्रिज और शनि मंदिर से धमधा नाका तक लगे स्ट्रीट लाइट बंद पड़े हैं। पुलगांव नाला की सफाई शुरू नहीं की गई। नाला डायवर्सन अब भी अधूरा है। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गया पटेल, प्रदेश सचिव राजेंद्र साहू, परमजीत सिंह भुई, अल्ताफ अहमद, अजय मिश्रा, राजकुमार पाली सहित अन्य मौजूद थे।

बीएसपी हिंदी गायन स्पर्धा के पुरुष गैर हिंदी में अमित व महिला वर्ग में मधुरिमा प्रथम

युगल गायन में तान्या अलंकार और पुरुष हिंदी में निखिल बने सुरों के सरताज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा महात्मा कला मंदिर में आयोजित 6 दिवसीय अंतरविभागीय गायन प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में सुरों के सरजात छाए रहे। मुख्य अतिथि बीएसपी के कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए। युगल गायन श्रेणी में तान्या - अलंकार समददार को प्रथम स्थान मिला। मधुरिम - दीपांकर रे द्वितीय और शालिनी-जीपी पांडियन को तृतीय पुरस्कार मिला। सांत्वना पुरस्कार जहांनारा - मूल मोम्मद को मिला। पुरुष हिंदी गायन वर्ग में निखिल टी प्रथम, गोविंद खरवार द्वितीय और अमित कुमार तृतीय रहे। डां. भारती साहू व भाशवती बोस को सांत्वना पुरस्कार मिला। इसके अलाव महिला हिंदी गायन में तानिया समददार प्रथम,मधुरिमा रे द्वितीय और मंजीता भारद्वाज को तृतीय पुरस्कार मिला। वहीं पुरुष गैर हिंदी गायन वर्ग कैटेगरी में अमित कुमार प्रथम, गोविंद खरवार द्वितीय और अलंकार समददार तृतीय रहे।निखिल टी और एवीएस गुरुनाथ को सांत्वना मिला। जबकि महिली गैर हिंदी गायन वर्ग में मधुरिमा प्रथम,मंजीता भारद्वाज द्वितीय और तानिया समददार तृतीय रहीं। डां. भारती साहू व पुष्पा डड़सेना का सांत्वना पुरस्कार मिला। मुख्य अतिथि ने सभी विजेता प्रतिभागियों को मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए और उनकी प्रतिभा की सराहना की। वरिष्ठ सांस्कृतिक समन्वयक प्रभंजय चक्रवर्ती ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। समारोह का संचालन विभाग के कलाकार सुप्रियो सेन ने किया।

साजिंदों निर्णायक सम्मानित

मुख्य अतिथि ने प्रतियोगिता के निर्णयकों गायिका गौतमी चक्रवर्ती, रजनी रजक,अंजलि तिवारी, योगिता लहरी व सुधीर सिंह को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। साथ सी साजिंदों भालचंद शेगेगर, रविंद्र कर्मकार, भावत साहू, दीपांकर दास,देवव्रत मजूमदार,दिलीप शर्मा, साईं चक्रवर्ती, बीबी परगनिहा, दुष्यंत कुमार व उल्लास कुमार तथा अर्शदीप सिंह भी मोमेंट भेंट किए।

चार श्रम कोड से मजदूरों को हो रहा नुकसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

- एक्टू की बैठक में बिजली दर वृद्धि वापसी की मांग

सेंटर ऑफ स्टील वर्क्स सम्बध्द ऐक्टू की बैठक यूनियन कार्यालय, सेक्टर 6 मे हुई. बैठक में यूनियन के पदाधिकारियों के सर्कुलर पर चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि मोदी सरकार चार श्रम कोड सहित मजदूर विरोधी नीतियों को लागू करने के तरीके तलाश रही है तथा सार्वजनिक व सरकारी क्षेत्र की कंपनियों के निजीकरण की प्रक्रिया को तेज करने की कोशिश कर रही है।

बैठक में ठेका मजदूरों ने बताया कि भिलाई इस्पात संयंत्र में ठेका श्रमिकों का शोषण निरंतर जारी है. अधिकांश ठेका श्रमिकों को न्यूनतम वेतन तक नहीं मिल रहा है। यदि ठेका श्रमिकों को न्यूनतम वेतन का भुगतान किया जाता है तो मजदूरों से ठेकेदार द्वारा 3000 से 4000 रुपए तक वापस लिया जा रहा है। वापस नहीं करने पर नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। ,इसके कारण श्रमिकों को पैसा वापस देना पड़ रहा है । श्रमिकों के पीएफ व इआईसी का पैसा भी सही ढंग से जमा नहीं हो रहा है. सेफ्टी शू सही गुणवत्ता का नहीं दिया जा रहा है जिससे जल्दी ही फट जाता है. ठेकेदार बदलने पर श्रमिकों को अंतिम भुगतान का पैसा नहीं मिलता है । ऐक्टू ने मालिकों द्वारा पीएफ अनुदान की राशि को जमा नहीं करने पर दंड में भारी छूट देने पर सरकार की आलोचना की है । छग सरकार द्वारा बिजली की दरों में की गई बढ़ोतरी को तत्काल वापस देने की मांग की है।

हरिभूमि
रायपुर, सोमवार 8 जुलाई 2024
लाइव
Email id- haribhoomibhilai@gmail.com
74154-69100, Message at - 9755819129

● रथयात्रा : पारंपरिक छेरा-पंहरा की रस्म निभाई गई, पहली बार ऐसी भीड़ उमड़ी

भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ में सवार होकर मौसी के घर पहुंचे महाप्रभु, 15 तक यहीं रहेंगे

भिलाई। ट्विनसिटी में महाप्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा रविवार को भक्तों के अपार जन समूह के बीच पारंपरिक तरीके से मनाई गई। जय जगन्नाथ उद्घोष करते हुए भगवान के भक्तों ने सेक्टर 4 और सेक्टर 6 से निकले रथ को खींचा। श्री मंदिर से बड़े भाई बलभद्र, बहन सुभद्रा और प्रभु जगन्नाथ को मंत्रोच्चार के साथ पहंडी (झूला झुलाते हुए) रथ पर बिठाया गया। सेंट्रल एवेन्यू रोड भगवाना जगन्नाथ के भक्तों से अटा पड़ा था। सड़क के दोनों तरफ पैर रखने तक की जगह नहीं थी। महाप्रभु के रथ को खींचने हर कोई प्रयासरत था। यात्रा की शुरुआत से लेकर गुंडिचा मंडप पहुंचने तक ओडिशा के पारंपरिक वाद्य यंत्र पर प्रभु की भक्ति में लीन भक्त नाचते झूमते रहे।

पारंपरिक धुन में नाचते-गाते रहे भक्त

ओडिशा के पारंपरिक वाद्य यंत्र झांझ, मंजीरे, ढ़ोल, मृदंग बजाते कीर्तन दल तथा भक्ति संगीत के धुन में नाचते-गाते भक्तजनों ने भाव विभोर होकर रथ खींचा। सेन्ट्रल एवेन्यू में महाप्रभु के दर्शन व पूजा अर्चना के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु सड़क के दोनों ओर खड़े थे। महाप्रभु का रथ सेन्ट्रल एवेन्यू में पहुंचते ही रथ खींचने व दर्शन करने भारी संख्या में लोग उमड़ पड़े।

अतिथियों ने निभाई छेरा पंहरा की रस्म

जगन्नाथ समिति के तत्वावधान में सेक्टर-4, बोरिया मार्केट स्थित जगन्नाथ मंदिर से रथयात्रा निकलकर सेन्ट्रल एवेन्यू होते हुए सेक्टर-10 के भव्य गुण्डिचा मंडप में पहुंची। वहीं सेक्टर 6 जगन्नाथ मंदिर की यात्रा सेंट्रल एवन्यू से होते हुए सेक्टर 6 ए मार्केट में बने गुंडिचा मंडप पहुंची। सेक्टर 4 में रथयात्रा के दौरान रथ के समक्ष परंपरा अनुसार छेरा-पंहरा कार्यक्रम मुख्य अतिथि बीएसपी के कार्यपालक निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा द्वारा संपन्न किया गया। सेक्टर 6 में यह रस्म अप्रेय आत्मानंद रामकृष्ण मिशन रायपुर, विधायक देवेंद्र यादव, भिलाई महापौर नीरज पाल ने निभाई।

रथयात्रा के मिलान का अद्भुत संयोग

ट्विनसिटी में दोनों स्थानों से निकलने वाली रथयात्रा सेंट्रल एवेन्यू से होकर होकर गुंडिचा मंडप पहुंचे। इस दौरान दोनों रथ का आमना-सामना हुआ। दोनों रथों के पुजारी एक-दूसरे के रथ में जाकर विग्रहों का विधि-विधान से पूजा की। यह संयोग देखने भी काफी भक्त रोड के किनारे घंटों जुटे रहे। सेक्टर 6 जगन्नाथ मंदिर में पं. तुषार कांत महापात्रा ने सभी अनुष्ठान संपन्न कराया। समिति के अध्यक्ष दिलीप महंती, महासचिव अरुण पंडा एवं शरद विशाल, गजेन्द्र पण्डा, रविन्द्र साहू, शशिभूषण महंती, संजय साहू, सन्यास साहू सहित सभी सदस्यों ने यात्रा के दौरान व्यवस्था संभाली।

अन्न व गजामूंग प्रसाद का वितरण

इस पूरे यात्रा के दौरान जगह-जगह अन्न प्रसाद व गजामूंग के प्रसाद का वितरण किया गया। विभिन्न स्थानों पर अनेक संस्थाओं और समाज द्वारा रथ का भव्य स्वागत किया गया। विभिन्न स्थानों पर पंडाल लगा कर श्रद्धालुओं को भोग व शर्बत आदि का वितरण किया गया। सेक्टर 4 रथ का संचालन वृंदावन स्वांई, बीसी बिस्वाल, लखन बिस्वाल एवं टीम द्वारा किया गया। रथयात्रा के विभिन्न पूजा कर्म पं पितवास पाढ़ी एवं उनकी टीम द्वारा विधि विधान से संपन्न किया गया। इस दौरान समिति के अध्यक्ष वीरेन्द्र सतपथी व महासचिव सत्यवान नायक, समिति के पदाधिकारी सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सिटी इवेंट

सबसे पहले मुखर्जी ने कहा- देश में दो विधान, दो निशान नहीं चलेंगे

- डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भाजपा कार्यालय दुर्ग में संगोष्ठी का आयोजन

दुर्ग। भाजपा और जनसंघ के प्रेरणास्त्रोत, राष्ट्रवाद के पथ प्रदर्शक और महान शिक्षाविद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भाजपा कार्यालय दुर्ग में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके कार्यों को यादव किया गया। संगठन के प्रमुख वक्ताओं ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि उनके त्याग, बलिदान और अखंड भारत हेतु समर्पित जीवन हमें सदैव प्रेरणा देते रहेंगे। आयोजन में विधायक गजेंद्र यादव, ललित चंद्राकर, उपाध्यक्ष राजेन्द्र पाध्ये, सुरेंद्र कौशिक, अजय तिवारी, आशीष निमजे सहित अन्य प्रमुख रूप से शामिल हुए। उन्होंने कहा कि देश में सबसे पहले दो विधान, दो निशान और दो प्रधान का विरोध डॉ. मुखर्जी ने किया। उन्होंने ही एक भारत अखंड भारत की बात कही। धारा 370 के खिलाफ सबसे पहले उन्होंने देश को अवगत कराया। इसे हम सभी कार्यकर्ताओं ने आगे बढ़ाया। आज धारा 370 का नासूर देश से हट चुका है। अब जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन चुका है। आयोजन में महिला मोर्चा उपाध्यक्ष अल्का बाघममार, महामंत्री गायत्री वर्मा, जयश्री राजपूत, सुनील साहू सहित अन्य मौजूद थे। विधायक चंद्राकर ने कहा कि देश के अमर नायक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के कारण ही आज जम्मू-कश्मीर में भारतीय संविधान पूरी तरह से लागू हो पाया है। 6 जुलाई, 1901 को कलकता के अत्यंत प्रतिष्ठित परिवार में शिक्षाविद् सर आशुतोष मुखर्जी और माता जोगमाया के यहां उनका जन्म हुआ। उन्होंने ही देश विभाजन के समय प्रस्तावित पाकिस्तान में से बंगाल और पंजाब के विभाजन की मांग उठाकर वर्तमान बंगाल और पंजाब को बचाया था। विधायक गजेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा डॉ. मुखर्जी की बनाई नीति और विचारों पर चलती है। इसी को सभी कार्यकर्त्ता आत्मसात करते है। उनका त्याग, बलिदान व अखंड भारत हेतु समर्पित जीवन, हमें सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

पीएम ने सपना साकार किया

डॉ. मुखर्जी की सोच को देश के प्रधानमंत्री मोदी ने साकार किया इस अवसर ज़िला उपाध्यक्ष पाध्ये ने डॉ. मुखर्जी के जीवन चरित्र और देश के लिए दिए योगदान से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि डॉ. की सोच को साकार करते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने जम्मू कश्मीर में 370 धारा हटाया गया। ये देश के बहुत बड़ी उपलब्धि है। कार्यक्रम का संचालन सुरेन्द्र कौशिक जी ने किया। आभार अल्का बाधामार ने व्यक्त किया।

नए पदाधिकारियों को दिलाई शपथ मानव सेवा करने का लिया संकल्प

भिलाई। डिस्ट्रिक्ट 3233 सी के वरिष्ठतम क्लब लायंस क्लब भिलाई का शपथ समारोह सुपेला के होटल में संपन्न हुआ। इसमें सत्र 2024 -25 के लिए अध्यक्ष राकेश अग्रवाल, सचिव भगवान अग्रवाल और कोषाध्यक्ष विष्णु गोयल निर्विरोध चुने गए। उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ अधिकारी डॉ संतोष राय द्वारा दिलाई गई। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रथम एमजेएफ विजय अग्रवाल, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वितीय रिपुदमन पुसरी, जीपीडीजी रंजना क्षेत्रपाल, रीजन चेयरपर्सन राजेश जैन व अन्य लायंस क्लब के पदाधिकारी शामिल हुए। क्लब एडमिनिस्ट्रेटर विकास सिंगल के प्रस्ताव एवं नॉमिनेशन कमेटी की स्वीकृति से, प्रथम उपाध्यक्ष अरविंद गोयल, द्वितीय उपाध्यक्ष हिमांशु पटेल, तृतीय गवर्नर दिनेश लोहिया, सह सचिव अजय बंसल को शपथ दिलाई गई।

- लायंस क्लब भिलाई के अध्यक्ष बने राकेश अग्रवाल व कोषाध्यक्ष विष्णु
- नवनिर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ, सेवा कार्यों की सराहना

लायंस के नए पदाधिकारियों ने सेवा कार्यों की कार्ययोजना भी बनाई

सह कोषाध्यक्ष तोरण अटल टेल ट्विस्टर गुरजीत सिंह, क्लब टेमर नम्रता वर्मा, क्लब मेंबरशिप चेयरपर्सेन विपिन बंसल, क्लब एलसीआईएफ कोऑर्डिनेटर के. के. गुप्ता, क्लब सर्विस चेयरपर्सेन मनीष जग्गी, क्लब मार्केटिंग चेयरपर्सन पवन मंत्री को विधिवत शपथ दिलाई गई। क्लब डायरेक्टर्स अशोक सूरी, राम भगत अग्रवाल, एसएस केंबो तृप्ता केंबो, अनिल सूरी, राजेश दीवान, विजय अग्रवाल एवं संदीप अग्रवाल को बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स में शामिल किया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष राकेश अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में क्लब की परंपरा को कायम रखते हुए आने वाले वर्ष 2024-25 में सेवा कार्यों की परंपरा को लायंस क्लब भिलाई के द्वारा संचालित प्रयास मूक बधिर स्कूल में अधिक से अधिक सेवा कार्य करने की एवं सभी लायन साथियों को साथ लेकर चलने का वादा किया एवं सभी का आभार प्रकट किया। निवर्तमान अध्यक्ष विजय अग्रवाल के द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए छूट गए कार्यों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। सभी नए पदाधिकारी को मानव सेवा का संकल्प दिलाया गया कार्यक्रम समापन पर नवनिर्वाचित सचिव भगवान अग्रवाल ने सबका आभार प्रकट किया।

स्थापना दिवस पर रक्तदान देहदान की भी सामूहिक घोषणा

भिलाई। सर्व धर्म सेवा संस्थान के 20वें स्थापना दिवस पर जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। साथ ही संस्था के सदस्यों ने लोगों को देहदान के लिए प्रेरित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने सामूहिक रूप से देहदान किए जाने की घोषणा की। उन्होंने फार्म भरा। इस आयोजन में सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी , सिविल सर्जन डॉ. हेमंत साहू, डीपीएम संदीप ताम्रकार, पैथोलॉजिस्ट डॉ. प्रवीण अग्रवाल, अस्पताल सलाहकार डॉ. ओपी वर्मा प्रमुख रूप से मौजूद थे। इससे पहले जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में बीएनआई संस्था द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 25 यूनिट रक्त कलेक्ट किया गया। संस्था से उज्ज्वल पिंचा ने सराहनीय भूमिका निभाई।

विधायक गजेंद्र और महापौर धीरज ने किया भूमिपूजन

कार्नर न्यूज

दुर्ग में बनेगा 200 मीटर का एक्यूप्रेशरयुक्त जॉगिंग ट्रैक

दुर्ग। रविशंकर स्टेडियम के पास दादा-दादी नाना-नानी पार्क के सामने एक्यूप्रेशर आधारित जॉगिंग ट्रैक का निर्माण किया जाएगा। ट्रैक में एक्यूप्रेशर के सभी पॉइंट्स रहेंगे, ताकि बुजुर्गों और लकवाग्रस्त लोगों को इस ट्रैक का लाभ मिल सके। दुर्ग निगम के उपअभियंता करण यदु ने बताया यहां पार्क में बड़ी संख्या में लोग तथा बुजुर्ग सुबह टहलने आते हैं। उन्हें देखते हुए नए जॉगिंग ट्रैक में रेत, जीरा-गिट्टी, मिट्टी का उपयोग कर एक एक्यूप्रेशन पॉइंट तैयार किया जाएगा। विधायक गजेंद्र यादव और महापौर धीरज बाकलीवाल ने रविवार को इसका भूमिपूजन किया।

विधायक ने जताया सीएम का आभार

विधायक गजेंद्र यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने यहां नागरिकों से जॉगिंग ट्रैक बनाने का वादा किया था। चुनाव जीतने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार का गठन हुआ। पहले बजट में ही ट्रैक के लिए राशि स्वीकृत कराई गई। अब लोगों की मांग जल्द पूरी होगी। ट्रैक की मांग पूरी होने पर भूमिपूजन में उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया। इस दौरान पार्षद नरेश तेजवानी, गुड्डू यादव, कुलेश्वर साहू, लीलाधर पाल, बहादुर अली, आशीष यादव, लियाकत अली, शमा असलम, हेमलता दानी, जया कारला, अनिकेत यादव आदि उपस्थित रहे।

200 मीटर का ट्रैक तैयार किया जाएगा, एक्सपर्ट की ली जाएगी मदद

महापौर धीरज बाकलीवाल ने बताया कि पार्क के पास आने वाले लोगों को जॉगिंग करने के लिए अब अधिक जगह मिल सकेगी। सामने रिक्त भूमि पर लगभग 200 मीटर नया जॉगिंग ट्रैक बनेगा, जिसका काम जल्द शुरू कर दिया जाएगा। पार्क में रोजाना सैकड़ों लोग घूमने के लिए आते हैं। यहां पर लोगों को एक्सरसाइज करने की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए यहां पर लगभग 10 फीट चौड़ी और लगभग 200 मीटर लंबा जॉगिंग ट्रैक तैयार किया जाएगा। इसे तैयार करने के लिए एक्सपर्ट्स की मदद भी ली जाएगी। इस समय पार्क में लोग योग, जुम्बा करने आते हैं। सुबह से ही शहर के लोग यहां पहुंचते हैं। यहां योग और व्यायाम करते हैं। अब यहां पर नया ट्रैक बनने से जॉगिंग के लिए काफी बड़ी जगह लोगों को मिल जाएगी।

एक्यूप्रेशर से कई रोग का निदान, लकवा के लिए सबसे कारगार

एक्सपर्ट्स की मानें तो एक्यूप्रेशर से कई रोगों का निदान संभव है। लकवा के लिए यह काफी कारगर है।

एक्यूप्रेशर शरीर के विभिन्न हिस्सों के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर दबाव डालकर रोग के निदान करने की विधि है। चिकित्सा शास्त्र की इस शाखा का मानना है कि मानव शरीर पैर से लेकर सिर तक आपस में जुड़ा है। पैरों और तलवे में मौजूद ऐसे कई प्वाइंट्स होते हैं जिनकी मदद से कई रोगों का इलाज किया जा सकता है। नए जॉगिंग पॉइंट को इस बात को ध्यान रखकर तैयार किया जाएगा। इसे लेकर योग और लकवा का इलाज करने वाले डॉक्टर्स से सलाह ली जाएगी, ताकि ट्रैक का फायदा ज्यादा से ज्यादा लोग उठा सकें।

सिटी इवेंट

पौधे लगाकर उसे सहेजने का लिया संकल्प, दिया संदेश

■ ऑक्सीजोन एनवायरमेंट की टीम ने पौधरोपण कर हरियाली बिखेरने चलाया अभियान

भिलाई। पर्यावरण सह्जने के उद्देश्य से रविवार को टीम ऑक्सीजोन एनवायरमेंट सोसायटी द्वारा विभिन्न स्थानों में पौधरोपण कर उसे सहेजने का संकल्प भी लिया गया। सेक्टर 6 पीपलेश्वर महादेव मंदिर के पास समाजसेवी सत्येंद्र महादेवन के नेतृत्व में टीम के सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण का कार्य किया गया। इस दौरान नीम, आंवला, गुलमोहर, बेल के पौधे लगाए गए और इस पौधे की देख रेख करने की जिम्मेंदारी भी ली गई। इस कार्यक्रम में ऑक्सीजोन ग्रुप में उपस्तिथ हेमंत राव, अनिल कुमार देवांगन, अंचल यादव, अभिलाष सिंग, डोमेश सिन्हा, विवेक वर्मा, नीरज नायक, अभिषेक प्रसाद, रजत श्रीवास्तव, आशीष, लक्की अग्रवाल, ज्योत्सना, नेहा त्रिपाठी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

हेल्थ लाइव

रक्त की संरचना, कार्यों और विभिन्न पहलुओं पर हुई चर्चा

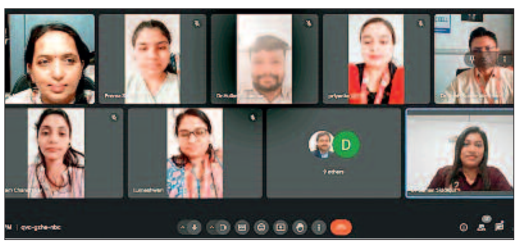

■ भारती विश्वविद्यालय, जुलॉजी विभाग में एक दिवसीय नेशनल वेबिनार का आयोजन

भिलाई। भारती विश्वविद्यालय दुर्ग के जूलॉजी विभाग के तत्वावधान में रक्त संबंधी व्यापक जानकारी विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय विज्ञान महाविद्यालय दुर्ग की सहायक प्रोफेसर डॉ अलका मिश्रा रहीं। वेबिनार का उद्देश्य प्रतिभागियों को रक्त के विभिन्न पहलुओं, इसकी संरचना, कार्यों और जुलॉजी के क्षेत्र में इसके महत्व की गहरी समझ प्रदान करना था। वेबिनार के आरंभ में लाइफ साइंस की अधिष्ठाता और कार्यक्रम की संयोजक डॉ. समन सिद्दीकी ने स्वागत भाषण दिया। मुख्य वक्ता डॉ अलका मिश्रा ने विषय पर एक व्यावहारिक और महत्वपूर्ण प्रस्तुति दी। उन्होंने रक्त की संरचना एवं कार्य, होमोस्टैसिस बनाए रखने में रक्त की भूमिका, रक्त अनुसंधान और प्रौद्योगिकी में प्रगति, रक्त अध्ययन में चुनौतियां, रक्त और रक्त से संबंधित रोगों का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक सिकलसेल के मरीज हैं। धन्यवाद ज्ञापन फिजिकल साइंस डीन डॉ प्रतिभा कुरूप ने किया। कार्यक्रम संचालन में लीलम चंद्राकर और डॉ. चांदनी अफसाना का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर डॉ. राजश्री नायडू, सपना पाण्डेय, राजलक्ष्मी, डॉली चन्द्राकर, डॉ. शोभा सिंह ठाकुर, डॉ. स्नेह कुमार मेश्राम सहित विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण, शोधार्थी, प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने शिरकत की।

समाज इवेंट

माता-पिता बेटे से ज्यादा अपनी बहुओं से करें स्नेहः आचार्य

भिलाई। वैदिक सत्संग का आयोजन पंजाबी पैलेस में किया गया। आचार्य अंकित शास्त्री ने वेदांतों का उच्चारण किया। कार्यक्रम में 50 से अधिक लोगों ने पवित्र अग्नि में आहुति दी। रवि आर्य एवं कमलेश आर्य की 50वीं वर्षगांठ में वैदिक सत्संग को संबोधित करते हुए आचार्य डॉ अजय आर्य ने कहा कि जो हंसते नहीं हैं वह जीते नहीं है। जिंदा होने की पहली पहचान है हंसना व मुस्कुराते रहना। इसीलिए हंसते-हंसते जीना सीखो कहा गया है। डॉ आर्य ने कहा कि बड़ी उम्र के लोग एक बड़ी गलती करते हैं। माता-पिता बेटे को खूब प्यार करते हैं और बहू को कम। कई बार नजर अंदाज भी करते हैं। लेकिन माता-पिता को बेटे से ज्यादा बहू को प्यार करना चाहिए। आपका बेटा आज्ञाकारी और कितना ही पितृ भक्त क्यों न हो अगर बहू आपका सम्मान नहीं करती तो बेटा आपके काम कभी नहीं आएगा। बेटे काम के तभी रहते हैं जब बहुएं उन्हें माता-पिता का सम्मान करने को कहती है। वेद मंत्रों में कहा गया है कि पत्नी को पति से मीठी वाणी में बात करनी चाहिए। इसकी व्याख्या करते हुए किसी ने लिखा है कि अगर पत्नी मीठा बोलने वाली हो तो पति की उम्र 10 साल बढ़ जाती है और इसके विपरीत अगर पत्नी कड़वा बोलने वाली और लड़ाई झगड़े में भरोसा करने वाली हो तो 10 साल उम्र कम हो जाती है। महिलाएं पति की लंबी उम्र के लिए तरह-तरह के व्रत रखती हैं। व्रत का अर्थ है प्रतिज्ञा। व्रत का अर्थ भूखे रहना या धागा बांधना आदि नहीं है। कार्यक्रम में प्रवीण गुप्ता, मधु गुप्ता, अंकित घणाराम, शिपी, पूजा, अंशुमान व शिखा सहित अनेक सत्संगी उपस्थित थे।

● गहिरा गुरुधाम में यादव सांस्कृतिक भवन का लोकार्पण, सांसद विजय बघेल हुए शामिल

दूरस्थ अंचलों से पढ़ने वाले यादवों के लिए बनेगा छात्रावास, सांसद ने दिए 10 लाख

दुर्ग। मां बम्लेश्वरी बाल उद्यान के सामने न्यू आमदी मंदिर वार्ड-24 स्थित गहिरा गुरुधाम में यादव सांस्कृतिक भवन का निर्माण किया गया है। रविवार को सांसद विजय बघेल ने इसका लोकार्पण किया। बघेल ने यादवों की परंपरा को जीवित रखने के लिए पूरे यादव समाज का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सांस्कृतिक भवन के ऊपर यादव छात्रावास निर्माण के लिए अपनी निधि से 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। इससे पहले भिलाईनगर विधायक देवेंद्र यादव आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे। वे लोकार्पण में आयोजित पूजा में शामिल हुए। इसके साथ ही यादवों की परंपरा और संस्कृति को पिछले लगातार 19 सालों से सहेजे जाने वाले वाद्य यंत्रों के लिए 1 लाख रुपए दिए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मैं यादव समाज के इस पुनित कार्य में शामिल हो सका। उन्होंने भविष्य में हर संभव मदद की आश्वासन दिया। आयोजन में दुर्ग निगम के सभापति राजेश यादव भी पहुंचे। उन्होंने इस सामाजिक भवन में आलमारी और कुर्सियों के लिए राशि उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। समाज के पदाधिकारियों से गुजारिश की कि स्टीमेट तैयार कर मुझे दें, ताकि मैं यह सहयोग कर सकूं। आयोजन में सेवानिवृत्त प्रधान पाठक और वरिष्ठ समाजसेवी ललित कुमार अग्रवाल भी शामिल हुए, जिन्होंने समाज को एकजुट होकर कार्य करने की नसीहत दी। कार्यक्रम में पार्षद नरेश तेजवाानी, संस्था के संरक्षण जीत हेमचंद यादव, गहिरा गुरु राजेश यादव प्रमुख रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। देर शाम विधायक गजेंद्र यादव और पार्षद मीना सिंह भी पहुंचे। कार्यक्रम में समाज की तरफ से यादव संघ मित्र कल्याण मंडल के संरक्षण बसंत यादव, अध्यक्ष कमलेश यादव, खूबचंद यादव, उमराव यादव, हर्ष हिन्द यादव, ललित यादव, सुरेश यादव, छबि यादव, प्रहलाद यादव, किशुन लाल यादव, श्री कृष्णा भगवान मंदिर अहीर समाज रायपुरा ट्रस्ट की अध्यक्ष करुणा यादव, फूलेशवरी यादव, श्वेता यादव, सरस्वती यादव, निर्मला यादव, भाग्य श्री यादव उपस्थित थीं।

50 सीटर हॉस्टल बनेगा

यादव संघ मित्र कल्याण मंडल के सदस्यों ने बताया कि 50 सीटर छात्रावास बनाने की तैयारी की गई है। सांस्कृतिक भवन के ऊपर ही इसका निर्माण किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य दूरस्थ अंचलों से दुर्ग और भिलाई में आकर पढ़ाई करने वाले छात्रों को हॉस्टल उपलब्ध कराना है। प्रयास रहेगा कि निशुल्क या काफी नाम मात्र के शुल्क में हॉस्टल उपलब्ध कराया जाए। इसके लिए समाज द्वारा भी सहयोग किया जा रहा है। जल्द ही छात्रावास का काम शुरू होगा। जनवरी 2025 से काम पूरा करने की कार्ययोजना पर काम किया जा रहा है।

पूर्व विधायक वोरा की निधि से बना सांस्कृतिक भवन

गहिरा गुरु राजेश यादव ने बताया कि यादव सांस्कृतिक भवन का निर्माण पूर्व विधायक अरुण वोरा की निधि से बनाया गया है। इसके लिए 10 लाख की राशि उपलब्ध कराई गई थी। आयोजन में पूर्व विधायक अरुण वोरा भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यादव समाज धीरे-धीर समृद्ध हो रहा है। शिक्षा किसी समाज के आगे बढ़ने की सबसे बढ़ी सीढ़ी है। उन्होंने समाज के लोगों को अपने बेटे और बेटियों को खूब पढ़ाने की बात कही। उन्होंने कहा कि समाज एकजुट रहेगा, तो अपनी संस्कृति को सहेज सकेगा। इसलिए इस प्रकार के आयोजन जरूरी हैं।

अभियान...

एक पेड़ मां के नाम अभियान संस्था बांट रही घर-घर पौधे

लोगों को किया प्रेरित

भिलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान के बाद एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत हो चुकी है। लगातार इसे लेकर समाजसेवी संस्थाओं ने लोगों को पौधे वितरित किए जा रहे हैं। साथ ही एक पेड़ मां के नाम लगाए जाने की अपील की जा रही है। छत्तीसगढ़ की कला एवं पर्यावरण के प्रति समर्पित संस्था आर्टकॉम ने अपने अभियान हर आंगन एक पेड़ के साथ पीएम नरेंद्र मोदी की अपील को साथ लेकर अभियान शुरू किया है। संस्था संचालक निशु पाण्डेय ने बताया वे घर-घर, दफ्तर-दफ्तर जाकर यहां तक सड़क पर भी लोगों को पौधे का वितरण कर रहे हैं। सुपेला चौक पर मीठे नीम के 100 से ज्यादा पौधे बांटे। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देश प्राकृतिक असंतुल का सामना कर रहे हैं। उसी समय प्रकृति और पर्यावरण को संतुलित करने प्रधान सेवक ने हमें यह मंत्र दिया है। आर्टकॉम ने पहले भी हर घर तिरंगा अभियान को घर-घर पहुंचाने का कार्य किया था। संस्था के करमजीत सिंह, पुरषोत्तम टावरी, बृजमोहन उपाध्याय, शारदा गुप्ता, अमिताभ भट्टचार्य, पारस जंघेल, गुरनाम सिंह, हंसराज पटेल, मदन सेन, बंट्टी नाहर, शिवाजी सिंह, विजय गुप्ता, भास्कर तिवारी सहित अन्य अभियान से जुड़े हुए हैं।

राजराजेश्वरी मंदिर में मना स्थापना दिवस

हरे राम, हरे कृष्णा महामंत्र का किया गया अखंड जाप

मंदिर परिसर में जुटे भोलेनाथ के भक्त

भिलाई। हरे राम, हरे कृष्ण अखण्ड जाप के महामंत्र से भोलेनाथ राजराजेश्वरी मंदिर पावर हाउस का स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। पावर हाउस स्थित मंदिर में हर वर्ष स्थापना दिवस पर अखण्ड कीर्तन करने के लिए बड़ी संख्या में विभिन्न स्थानों से मंडलियों का जत्था आता है, 24 घंटे चलने वाले कीर्तन में नगर के प्रतिनिधि अपनी उपस्थिति बाबा भोलेनाथ के सामने लगाते हैं। अखंड जप के समापन पर भंडारा आयोजित किया गया। मंदिर में आयोजित कीर्तन अमर सिंह और उनकी टीम के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर भोलेनाथ राजराजेश्वरी मंदिर समिति के प्रमुख पदाधिकारी गोपाल टावरी, प्रभुनाथ मिश्रा, सुरेन्द्र पाण्डेय, सुनील मिश्रा, एस एन सिंह, बी पी सिंह, आचार्य द्विवेदी सहित अनेक विशिष्ट जन शामिल थे।

प्रयास और एकलव्य आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित

भिलाई। प्रयास आवासीय विद्यालय और एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट eklavya.cg.nic.in पर परिणाम का अवलोकन कर सकते हैं। परीक्षा परिणाम के संबंध में यदि रोल नंबर अथवा नाम में कोई विसंगति हो तो प्रयास विद्यालय प्रवेश परीक्षा के अभ्यर्थी अपना अभ्यावेदन ई-मेल prayas.ctd@gmail.com पर 12 जुलाई की शाम 5 बजे तक तथा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के अभ्यर्थी ई-मेल abhyavedan.emrs@gmail.com पर 14 जुलाई की शाम 5 बजे तक कर ईमेल कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद अभ्यावेदन मान्य नहीं होंगे। विद्यालयों में कक्षा 9वीं (सत्र 2024-25) में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित कर विभिन्न जिला मुख्यालयों में 9 जून 2024 को परीक्षा आयोजित की गई थी। कक्षा 6वीं (शिक्षण सत्र 2024-25) में प्रवेश के लिए 18 मई 2024 को परीक्षा आयोजित की गई थी।

आज से चलेगा पौधरोपण अभियान

भिलाई। दुर्ग-भिलाई में 8 जुलाई को पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा। इसे लेकर समाजसेवी संस्थाओं द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मिलकर पौधारोपण की तैयारी की गई है। मुख्य रूप से उद्यान, प्रमुख सड़कों, सरकारी दफ्तरों, संस्थाओं में पौधरोपण किया जाना है। बता दें कि इस बार वन विभाग द्वारा 5 लाख से ज्यादा पौधे रोपने का लक्ष्य रखा गया है। एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस विभाग द्वारा तीन नए कानून को लेकर लगातार जानकारी दी जा रही

अंग्रेजों के जमाने का कानून बदला, इसे हमें जानना जरूरी : सुखनंदन

कार्नर न्यूज

सेंट थॉमस कॉलेज में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

भिलाई। सेंट थॉमस कॉलेज में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें 1 जुलाई से तीन नए कानून लागू किए जाने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसे लेकर पुलिस विभाग ने कॉलेज के स्टूडेंट्स, युवाओं और महिलाओं को कानून में हुए बदलाव के बारे में बताया। एएसपी सुखनंदन राठौर ने कहा कि हम सभी को नए कानून के बारे में जानना जरूरी है। नवीन भारतीय न्याय संहिता विषय पर आयोजित कार्यशाला में कॉलेज के स्टूडेंट्स बड़ी संख्या में शामिल हुए। आयोजन में मुख्य रूप से सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी, डीएसपी ट्रैफिक सतीष ठाकुर सहित अन्य मौजूद थे।

आतंकवाद को भी नये कानून में दर्शाया गया

नए कानून में आतंकवाद को भी दर्शाया गया है, जो देश के नुकसान से संबंधित कार्य करता है। उसे देशद्रोह समझा जाएगा, जिसमें मृत्यु दण्ड का प्रावधान किया गया है। इसी प्रकार बच्चे से संबंधित कोई अपराध करवाता है और जो इस अपराध में संबंधित रहेगा उसे भी सजा सामातर प्रावधान किया गया है। नये कानून में पुलिस दायित्वो को भी बताते हुए जो प्रार्थी रहेगा, उसे समय समय पर विवेचना का प्रोग्रेस रिपोर्ट बताना होगा। इस अवसर पर ट्रैफिक नियमों से जुड़ी जानकारी भी दी गई। फालो गुड हेबिटस के तहत 21 डे चैलेंज की जानकारी छात्र-छात्राओं को प्रदान की गई। बताया गया कि यदि आप 21 दिन ट्रैफिक नियमों का पालन करते हैं, तो स्वयं ही आपमें कार चलाते समय सीट बेल्ट लगाने, मोपेट चलाते समय हेलमेट लगाने की इच्छा होगी।

प्रार्थी को केस के बारे में बताना होगा

कार्यशाला में एएसपी सुखनंदन राठौर ने कानून भारतीय दण्ड संहिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया गया कि यह कानून अंग्रेजो के द्वारा 1857 की विद्रोह के बाद भारतीयों पर अपना दबाव एवं नियंत्रण मे रखने के लिए दण्ड के आधार पर 1861 मे लागू किया गया था। इस दण्ड के कानून को भारत सरकार द्वारा 01 जुलाई 2024 से न्याय का कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम पीडित को समय पर न्याय दिलाने के लिए लागू किया गया है। ताकि आम जनता एवं पीड़ित को न्याय मिलने में विलंब न हो। इसके अंतर्गत पुलिस एवं न्यायालय के लिए भी समय निर्धारित किया गया है। नये कानून के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित अपराध के लिए अलग अलग क्लेरिफिकेशन करते हैं। साक्ष्य में फोटो और वीडियोग्राफी अब मान्य किए गए हैं। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत कहीं अपराध होता है और आप वहां उपस्थित नहीं है। उस स्थिति में आप जहां कहीं भी हों वहीं नजदीकी थाना से जीरो एफआईआर करा सकते हैं। संबंधित थाना पुलिस इससे इंकार नहीं कर सकती। वाट्सएप और ईमेल के जरिए भी कम्प्लेन ली जाएगी, लेकिन तीन दिन के भीतर आपको थाने में उपस्थित होना पड़ेगा।

स्पोर्ट्स टिप्स

रोप एक्सरसाइज करते हुए इन बातों का रखें ध्यान

रोप एक्सरसाइज को कार्डियो और स्ट्रेंथ का

एक बेहतर कॉम्बिनेशन माना जाता है। हालांकि, जब आप रोप एक्सरसाइज कर रहे हैं तो आपको कुछ छोटे-छोटे टिप्स को जरूर फॉलो करना चाहिए। जब हम वर्कआउट करते हैं तो कई अलग-अलग एक्सरसाइज को उसमें शामिल करते हैं। इन्हीं में से एक है बैटल रोप। अगर इसे फिटनेस रूटीन प्रोग्राम का हिस्सा बनाया जाता है तो इससे एक साथ ही पूरे शरीर की कसरत हो जाती है। दरअसल, बैटल रोप एक साथ कई मसल्स ग्रुप को एक्टिव करता है। साथ ही साथ, इससे आपको कार्डियोवैस्कुलर बेनिफिट्स भी मिलते हैं।अमूमन यह माना जाता है कि रोप एक्सरसाइज एक कार्डियो वर्कआउट है, जबकि वास्तव में यह आपकी मसल्स स्ट्रेंथ को बिल्डअप करने में भी मददगार है। चाहे आप बॉडी बैलेंस को इंप्रूव करना चाहते हों या फिर अतिरिक्त कैलोरी बर्न करके वेट लॉस करना आपका टारगेट हो, बैटल रोप इन सभी टारगेट्स को पूरा करने में मददगार है। आप इसमें कई तरह की एक्सरसाइज कर सकते हैं और अपने वर्कआउट रूटीन को इंटरस्टिंग बना सकते हैं। यह सच है कि रोप एक्सरसाइज करना आपके लिए बेहद फायदेमंद है। लेकिन फिर भी इसे करते हुए आपको कुछ छोटे-छोटे टिप्स को जरूर फॉलो करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको रोप एक्सरसाइज करते हुए ध्यान रखना चाहिए- जरूरी है वार्मअपजब आप रोप एक्सरसाइज कर रहे हैं तो उससे पहले वार्मअप करना बिल्कुल भी ना भूलें। इससे चोट लगने का खतरा काफी कम हो जाता है। आप अपनी मसल्स और ज्वॉइंट्स को तैयार करने के लिए आर्म सर्कल, शोल्डर रोल और टोर्सो ट्विस्ट जैसे डायनेमिक

स्ट्रेच करें। इसके अलावा, ब्लड फ्लो बढ़ाने के लिए आप 5-10 मिनट तक लाइट कार्डियो जैसे, जॉगिंग या जंपिंग जैक भी कर सकते हैं।बॉडी पोश्चर पर दें ध्यानजब आप रोप एक्सरसाइज कर रहे हैं तो आपको अपने बॉडी पोश्चर पर खासतौर से ख्याल रखना चाहिए। हमेंशा अपने पैरों को कंधे की चौड़ाई के समान खोलें। इससे बॉडी स्टेबिलिटी को बनाए रखने में मदद मिलती है। साथ ही, अपने घुटनों को थोड़ा मोड़कर रखें और अपने हिप्स को पीछे की ओर हिंज करें। इससे आपके पीठ के निचले हिस्से पर तनाव कम होता है। साथ ही साथ, कोर मसल्स को एंगेज करने की कोशिश करें।वर्कआउट में हो वैरायटीबैटल रोप एक्सरसाइज करते हुए आप उसमें कई तरह की वैरायटी ला सकते हैं। मसलन आप अल्टरनेट वेव्स वर्कआउट करें, जिसमें एक हाथ ऊपर ले जाएं जबकि दूसरा नीचे जाए। इस तरह रोप की मदद से अल्टरनेट वेव्स बनाई जा सकती है। इसके अलावा, आप दोनों रोप को ऊपर की ओर उठाएं और उन्हें ज़ोर से नीचे पटकें। इससे आपकी स्ट्रेंथ बिल्डअप होती है। हालांकि, इस दौरान अपने कोर और लोअर बॉडी को एंगेज करने की कोशिश करें। आप रोप एक्सरसाइज में सर्कल की प्रैक्टिस भी कर सकते हैं। इसके लिए अपने आर्म्स को सर्कुलर मोशन में घुमाएं, या तो अंदर की ओर या बाहर की ओर। यह एक्सरसाइज एक साथ कई मसल्स को टारगेट करती है।कूल डाउन भी है जरूरीजिस तरह रोप वर्कआउट से पहले वार्मअप करना जरूरी है, ठीक उसी तरह आप कूल डाउन को भी बिल्कुल मिस ना करें। यह ना केवल रिकवरी में मददगार है, बल्कि इससे आपको बॉडी स्टिफनेस की शिकायत नहीं होगी। कूल डाउन के दौरान कंधे, हाथ, पीठ और पैर पर फोकस करते हुए स्टैटिक स्ट्रेच कर सकते हैं।

शरीर में पित्त का संतुलन जरूरी, खानपान पर देना होगा विशेष ध्यान

अक्सर होने वाली खुजली हो सकती है लिवर की बीमारियों का संकेत

लिवर हमारे शरीर में भोजन को पचाने, स्वस्थ रक्त शर्करा के स्तर को बनाए रखने, खून के थक्के को नियंत्रित करने और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाता है। जब लिवर ठीक से काम नहीं करता तो शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं मसलन, पित्त जमा होना। पित्त वसा को पचाने में मदद करता है। जब लिवर ठीक से काम नहीं करता है तो यह पित्त को ठीक से नहीं बना पाता या निकाल नहीं पाता है, जिससे पित्त रक्त में जमा होने लगता है। यह पित्त त्वचा में खुजली पैदा करता है, खासकर रात के समय जब आप सो रहे होते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, खुजली होना क्रोनिक लिवर रोगों का एक आम लक्षण है। आइए जानते लिवर की बीमारियों में खुजली होने के क्या कारण हैं और इससे बचाव के लिए क्या किया जा सकता है?

लिवर में होने वाली समस्या

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, लिवर में गड़बड़ी होने पर शरीर में कुछ खास संकेत नजर आने लगते हैं। इनमें सबसे प्रमुख है शरीर में खुजली होना। यह रात के समय में अधिक देखी जाती है, खासतौर पर पैरों में सबसे ज्यादा खुजली होती है। लोगों की लगातार बिगड़ती जीवनशैली का सबसे ज्यादा असर लिवर पर पड़ता है। वैज्ञानिक अभी तक स्पष्ट नहीं हैं कि लिवर की बीमारी में खुजली होने के क्या कारण हैं? हालांकि इसके लिए कुछ कारकों को जिम्मेदार पाया गया है।

खुजली होने के क्या कारण हैं?

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पाया यदि आपको लिवर की बीमारी है, तो त्वचा के नीचे पित्त लवण का उच्च स्तर जमा हो सकता है, जिससे खुजली हो सकती है। पित्त लवण के उच्च स्तर वाले सभी लोगों को खुजली महसूस हो ऐसा भी जरूरी नहीं होती है। इसके अलावा गर्भावस्था के दौरान या हार्मोन्स में होने वाली समस्याओं के कारण भी खुजली की दिक्कत होने लगती है।

लिवर को कैसे स्वस्थ रखें?

डॉक्टर कहते हैं, लिवर की बीमारी के पीछे खराब खान-पान भी बड़ी वजह हो सकती है, इसलिए आहार में फल, सब्जियां एवं साबुत अनाज खाएं और वसा वाली चीजों से दूरी रखें। वजन को नियंत्रित रखें। धूम्रपान और शराब के सेवन से परहेज करें। सही समय पर लक्षणों की पहचान कर डॉक्टर की सलाह लें।

भूख पर आपका नियंत्रण नहीं है तो लें योग का सहारा

कई लोगों को तो बार बार भूख लगती है। बहुत अधिक भूख लगने से वजन बढ़ने का भी खतरा रहता है। भूख को कंट्रोल करने के लिए लोग कई तरीके अपनाते हैं। कुछ लोग अपने आप को अधिक व्यस्त रखने की कोशिश करते हैं तो कुछ पूरा दिन सोते रहते हैं ताकि भूख महसूस न हो। लेकिन इस का सेहत पर गलत असर पड़ता है। भूख को काबू में करने के लिए कुछ योगासन फायदेमंद है, जिसका अभ्यास व्रत के दौरान या डाइट के समय भूखे रहने में मदद करता है।

हलासन

हलासन के अभ्यास से बढ़ते वजन और भूख को कंट्रोल

कर लिया जाता है। हलासन के अभ्यास के लिए मैट पर पीठ के बल लेटकर धीरे धीरे अपने दोनों पैरों को ऊपर उठाते हुए सिर के पीछे ले जाएं और फर्श को छून का पास करें। पैरों से फर्श को छू नहीं पा रहे तो अधिकतम सीमा तक ले जाने की कोशिश करें और कुछ सेकेंड इसी अवस्था में रहें। इस आसन से पेट की चर्बी कम होती है और भूख भी कम लगती है।

वीरभद्रासन 2

इस आसन को करने से आप भूख पर नियंत्रण कर सकते हैं। वीरभद्रासन 2 करने के लिए योग मैट पर सीधे खड़े हो जाएं और बाएं पैर को आगे की ओर ले जाकर घुटने मोड़ें। इस दौरान दाहिने टखने को बाहर की ओर रखते हुए हाथों को बगल की ओर अपनी दिशा में ही ऊपर की ओर उठाएं। 30 सेकंड तक इसी स्थिति में रूकें।

अधोमुख श्वानासन

भूख को कम करने के लिए नियमित अधोमुख श्वानासन का अभ्यास किया जा सकता है। इस आसन को करने को लिए पेट के बल लेटकर पैरों और हाथों को जमीन पर रखते हुए कूल्हों को ऊपर उठाएं। अब सिर को नीचे की ओर रखते हुए एड़ियों को फर्श की ओर दबाएं। इस स्थिति में 30 सेकेंड रहें, फिर सामान्य मुद्रा में आ जाएं।

इन लोगों को सावन सोमवार व्रत रखने की होती है मनाही

देवों के देव महादेव के प्रिय माह सावन की जल्द शुरुआत होने वाली है। मान्यता है कि इस माह में भोलेनाथ की पूजा करने से मनचाहे परिणामों की प्राप्ति होती है। इस दौरान आने वाले सभी सोमवार को व्रत रखा जाता है। लेकिन कुछ लोगों को सावन माह में व्रत रखने की मनाही होती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि आखिर किन लोगों को सावन में व्रत नहीं रखना चाहिए।

कब से शुरू हो रहा है सावन 2024 ?

इस साल सावन माह की शुरुआत 22 जुलाई 2024, सोमवार से हो रही है। इसका समापन 19 अगस्त 2024 को होगा। इस बार सावन के महीने में पांच सोमवार पड़ेंगे जो बेहद शुभ माने जाते हैं।

ये लोग न रखें व्रत

सावन माह में आने वाले सोमवार व्रत सभी के लिए बहुत खास होते हैं। लेकिन जिन लोगों को कोई बीमारी होती है, उन्हें ये व्रत नहीं रखना चाहिए। इसके अलावा बुजुर्ग व्यक्ति को भी सोमवार व्रत नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से इन लोगों को शारीरिक कमजोरी का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही स्वास्थ्य पर भी इसका बुरा प्रभाव हो सकता है। सावन में गर्भवती महिलाओं को भी व्रत नहीं करना चाहिए। माना जाता है कि ये समय बेहद नाजुक होता है। ऐसे में भूखे पेट रहने पर गर्भ में पल रहे बच्चे की सेहत पर असर पड़ सकता है। ऐसे में आप महादेव की विधिनुसार पूजा कर सकते हैं, और सुख-समृद्धि की कामना करते हुए उन्हें खीर का भोग लगाएं।

सावन पूजा-विधि

इस साल सावन माह की शुरुआत सोमवार से हो रही है। ऐसे में सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। फिर साफ वस्त्रों को धारण करें। इसके बाद शिवलिंग पर गंगाजल और दूध से अभिषेक करें। फिर महादेव को बेलपत्र, धतूरा, गंगाजल और दूध चढ़ाएं। फिर पूजा करना शुरू करें। इस समय "ओम नमः शिवाय"मंत्र का जाप करते हुए आरती करें।

बच्चों को बनाकर खिलाएंगे दही सैंडविच तो दूसरे दिन भी होगी मांग

एक समय था जब बच्चे घर का बना भोजन करना पसंद करते थे, लेकिन आज समय बदल गया है। आज के बच्चे बाजार में मिलने पकवानों को खाना ज्यादा पसंद करते हैं। दही सैंडविच एस ऐसा नाश्ता है, जिसे आप कुछ ही देर में तैयार कर सकती हैं। आप चाहें तो इसे टिफिन में पैक भी करके भेज सकती हैं।

दही सैंडविच बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले एक बड़े कटोरे में दही निकालें। अब इसे पूरी तरह से फेंट लें। फेंटने के बाद इसमें कटा हुआ प्याज, टमाटर और शिमला मिर्च डालें। सभी चीजों को मिक्स करने के बाद इसमें नमक, काली मिर्च पाउडर और हल्का सा चाट मसाला डालें। एक बार फिर इसे चमचे की मदद से सही से मिक्स करें। आखिर में इसमें कटी हुई धनिया पत्ती डालें।

अब एक ब्रेड स्लाइस लेकर उसपर इस मिश्रण को लगाएं। सही से मिश्रण लगाने के बाद दूसरा ब्रेड इसके ऊपर रख दें। इसके बाद तवे को गर्म करके उस पर मक्खन लगाएं और फिर सैंडविच को सुनहरा होने तक सेकें। ये सैंडविच आप अपने बच्चे को जूस के साथ परोस सकती हैं। आप चाहें तो सैंडविच बनाने के लिए ब्राउन ब्रेड का इस्तेमाल कर सकती हैं।

कार्नर न्यूज

बच्चे की खेल में रूचि है तो उसे जरूर बढ़ावा दें लेकिन सावधानी से

बच्चे को खिलाड़ी बनाना आसान नहीं, इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप अपने बच्चे को एक खिलाड़ी की तरह उभरता हुआ देखना चाहती हैं, तो कुछ बातों का ध्यान आपको रखना होगा और कुछ बातों का उसे। यदि आपके बच्चे की रुचि खेल में है। वह भिन्न-भिन्न खेलों में हिस्सा लेता है तो आप खुशनसीब हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि आजकल अधिकतर बच्चे मोबाइल में ही अपना वक्त बिताना पसंद करते हैं। इनडोर गेम्स में जहां चोट लगने का खतरा कम होता है। वहीं आउटडोर गेम्स में ये खतरा काफी बढ़ जाता है। ऐसे में एक मां होने के नाते आपको अपने इन खिलाड़ी बच्चों का विशेष ध्यान रखना होगा। ताकि वह स्वस्थ रहें, मस्त रहें, आगे बढ़े और एक अच्छा स्पोर्ट्स स्टार बने।

ट्रेनर हो प्रशिक्षित

आप अपने बच्चे के लिए ऐसे कोच या ट्रेनर का चुनाव करें, जो कि प्रशिक्षित हो। वह अच्छी तरह से अपनी जिम्मेदारियों को निभाने वाला और बच्चे को सुरक्षित रख सकने वाला हो। खेल के दौरान बच्चे को कई बार छोटी तो कई बार बड़ी और गंभीर चोट लग जाती है। इस स्थिति में परिवार वाले घबरा जाते हैं कि वह ठीक है या नहीं, उसे डॉक्टर की जरूरत है या नहीं। ऐसे में इन सवालों को जवाब आपको तभी सही मिल पाएगा, जब आप उनका ट्रेनर चोट की स्थिति को समझने वाला हो। इसलिए बच्चों के ट्रेनर का चुनाव सोच-विचार कर ही करें।

प्राथमिक चिकित्सा

'बच्चा खेलेगा तो गिरेगा भी!' ये बात भी सही है। उसे खेल के दौरान मोच और चोट लगना भी स्वाभाविक है। लेकिन चोट से बचा कैसे जाए, खासकर गंभीर चोट से। वहीं यदि चोट लग जाए तो तत्काल उसका इलाज कैसे हो इसका आपको ध्यान रखना होगा। आपको ध्यान देना होगा कि उन्हें कोई भी चोट इतनी गंभीर न पहुंचे, जिससे उन्हें अधिक नुकसान हो और उसका खेलना ही छूट जाए। इसलिए जरूरी है कि बच्चे को समझाया जाए। उसे बताया जाए कि वह खेल-खेल में ऐसे कोई भी जोखिम न उठाए, जिससे उसे आगे परेशानी हो। उन्हें खेल को सुरक्षात्मक तरीके और छोटी-मोटी चोट लगने पर तत्काल उपचार के तरीके बताएं। साथ ही आप बच्चे के बैग में भी प्राथमिक चिकित्सा की सामग्री जरूर रखें।

सेफ्टी गार्ड जरूरी

खेलों में हड्डी से जुड़ी परेशानियां होना भी आम है। खासकर क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल और जिम्नास्टिक जैसे खेलों में। इसलिए आपको अपने बच्चों को उनके खेलों के अनुसार पूरी सेफ्टी किट मुहैया करवानी चाहिए, ताकि वह इन परेशानियों से बच सकें।

आत्मजागरूकता

बच्चों में आत्म-जागरूकता की भावना का विकास करना भी जरूरी है। ताकि वह सहजता से अपनी कमजोरियों और ताकत को पहचाने और उसे स्वीकार करें। उन्हें कब खुद पर नियंत्रण रखना है और कब दूसरों से मदद लेनी है, सिखाएं। वहीं कई बार बच्चे अपनी चोट को सामान्य समझकर अनदेखा कर देते हैं, जिनसे उन्हें बाद में परेशानी हो सकती है। इसलिए उन्हें ऐसा करने से रोकें। इस तरह उन में आत्म-जागरूकता के साथ दूरदर्शिता की शक्ति पैदा होने लगती है।

स्पोर्ट्स बैग में फर्स्ट-एड

जवाहर लाल नेहरू अस्पताल, इंदौर के वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. ओ.पी. गोयल कहते हैं, बच्चों को खेल के दौरान चोट लगना स्वाभाविक है। इसे रोका या टाला नहीं जा सकता। लेकिन जरूरी है कि समय रहते इसका इलाज किया जाए, ताकि चोट, मोच या मांसपेशियों का खिंचाव गंभीर स्थिति तक न पहुंचे। बच्चों की आदत होती है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

जॉन सीना ने की डब्ल्यूडब्ल्यूई से संन्यास की घोषणा, 'द मरीन' से किया था डेब्यू

पहलवान और अभिनेता जॉन सीना ने डब्ल्यूडब्ल्यूई से संन्यास की घोषणा कर दी है। जॉन साल 2001 से डब्ल्यूडब्ल्यूई से जुड़े हुए है और 16 बार वर्ल्ड चैंपियन का खिताब जीत चुके हैं। जॉन सीना ने एलान करते हुए कहा कि वो रेसलमेनिया 2025 के बाद डब्ल्यूडब्ल्यूई से संन्यास ले रहे हैं। जॉन सीना को लोग 23 साल से भी ज्यादा समय से रिंग में पहलवानी करते हुए देख रहे हैं और जब अगले साल वो आखिरी बार रिंग में उतरेंगे तो उनके चाहने वालों के लिए वो भावुक कर देना वाला पल होने वाला है। मालूम हो कि जॉन सीना डब्ल्यूडब्ल्यूई में 2018 से पार्ट-टाइम ही नजर आ रहे हैं। उन्हें अक्सर एक तौलिया के साथ देखा जाता रहा है, जिस पर 'कभी हार ना मानो' लिखा होता था, लेकिन इस बार उनके तौलिया पर लिखा था- 'अब आखिरी बार है'।

जॉन सीना ने अपने संन्यास की घोषणा 'मनी इन द बैंक' के दौरान की, जो डब्ल्यूडब्ल्यूई की एक रेसलिंग प्रतियोगिता है। इस प्रतियोगिता का आयोजन 2010 से हर साल किया जा रहा है। इस मौके पर जॉन सीना की मौजूदगी ने सभी को चौंका दिया था। सब जानना चाह रहे थे कि वो क्यों और क्या करने के लिए आए हैं। जॉन ने लोगों से कहा कि आज रात, मैं आधिकारिक तौर पर डब्ल्यूडब्ल्यूई से अपने संन्यास की घोषणा करता हूँ। जॉन सीना ने कहा कि वो मंडे नाइट रॉ में हिस्सा लेने की योजना बना रहे हैं। बता दें कि लोग इसे जनवरी 2025 में नेटफ्लिक्स पर देख पाएंगे।

टॉलीवुड

महीने भर के अंदर रिलीज होगी पिता चिरंजीवी और बेटे राम चरण की फिल्म

राम चरण की फिल्म 'गेम चेंजर' पर तीन साल से काम चल रहा है।

इस दौरान कई बार शूटिंग शुरू हुई और कई बार रुकी। हाल ही में, खबर आई कि राम चरण ने फिल्म की शूटिंग खत्म कर ली है। इससे उनके प्रशंसकों ने राहत की सांस ली, क्योंकि अब उनसे इंतजार करते नहीं बन रहा है। दूसरी ओर उनके पिता की भी एक फिल्म आने वाली है और दोनों फिल्मों को लेकर एक रोचक चीज सामने आ रही है। राम चरण के पिता चिरंजीवी अपनी आने वाली फिल्म 'विश्वंभरा' की शूटिंग में व्यस्त में है। इसे लेकर हाल ही में खबर आई थी कि जल्द ही इसकी मेकिंग की एक वीडियो और चिरंजीवी के लुक को दर्शकों के सामने पेश किया जाएगा। 'विश्वंभरा' को अगले साल 10 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। राम चरण ने 'गेम चेंजर' की शूटिंग खत्म की तो अब इसकी रिलीज की तारीख को लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि इसे इसी साल दिसंबर महीने में रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है यानी कि एक ही महीने के भीतर राम चरण और चिरंजीवी की फिल्म को देखने का दिलचस्प संयोग बन रहा है। दोनों पिता-पुत्र के प्रशंसकों के लिए तो यह किसी तोहफे से कम नहीं है।

'गेम चेंजर' की बात करें तो इसमें राम चरण के साथ-साथ कियारा आडवाणी भी मुख्य भूमिका अदा कर रही है। इसका निर्देशन एस शंकर कर रहे हैं। यह एक राजनीतिक ड्रामा फिल्म है। इसका निर्माण दिल राजू ने किया है। यह उनके प्रोडक्शन की 50वीं फिल्म है।

चिरंजीवी की 'विश्वंभरा' में बॉलीवुड अभिनेता कुणाल कपूर भी नजर आएंगे। कहा जा रहा है इस फिल्म में चिरंजीवी और कुणाल एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे। इनके अलावा त्रिशा भी अभिनय करती दिखाई देंगी। इसका निर्देशन वशिष्ठ मल्लादी कर रहे हैं और फिल्म का निर्माण यूवी क्रिएशन्स द्वारा किया जा रहा है। इसमें एमएम कीरवानी का संगीत सुनने को मिलेगा।

भोजपुरी

हंसाएगी और भावुक भी करेगी 'सास अठन्नी बहु रुपईया' फिल्म

जेएएस मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बनी सुपर स्टार

विक्रांत सिंह राजपूत और रिचा दीक्षित स्टारर भोजपुरी फिल्म 'सास अठन्नी बहु रुपईया' का धांसू ट्रेलर धूम मचा रहा है। यह फिल्म परिवार में कलह और उसके परिणम से दर्शकों को सीख देती नज़र आने वाली है। इसमें कॉमेडी का तड़का है तो भावुकता का मसाला भी। फिल्म के ट्रेलर के अनुसार, विक्रांत सिंह राजपूत, रिचा दीक्षित, जे नीलम और अनीता रावत ने अपनी अदाकारी से ट्रेलर में रोमांच भर दिया है, तो फिल्म का लेवल क्या समझा जा सकता है। इस फिल्म के निर्माता विनय सिंह व अंशुमान सिंह और निर्देशक विष्णु शंकर "बेलु" हैं। फिल्म 'सास अठन्नी बहु रुपईया' का ट्रेलर 4 मिनट 21 सेकेण्ड का है। फिल्म का क्लाइमेक्स बेहद मजेदार है, जो फिल्म के प्रति दर्शकों को आकर्षित करने वाला है। फिल्म को लेकर विक्रांत ने कहा कि इस फिल्म की कहानी अलग है और इसकी प्रस्तुति भी शानदार तरीके से की गयी। फिल्म 'सास अठन्नी बहु रुपईया' विक्रांत सिंह राजपूत, रिचा दीक्षित, जे नीलम, अनीता रावत के साथ रजनीश झांझी, संतोष श्रीवास्तव, प्रकाश जैस, प्रिया दीक्षित, शबीह फातिमा जाफरी, सिमरन श्रीवास्तव, सोनिया मिश्रा, अंशू तिवारी मुख्य भूमिका में हैं।

लाइफ स्टाइल

लौट रहा दौर

हाल ही में वोग रनवे के संपादकों ने 2010 के दशक के फैशन पर एक समीक्षात्मक नज़र डाली। हालांकि तैयारी इस साल के फैशन शो की थी लेकिन संपादक यह देख कर हैरान रह गए कि करीब डेढ़ दशक बाद फैशन का वही दौर हमारे सामने खड़ा है। पिछले दशक में सोशल मीडिया, स्ट्रीटवियर और स्ट्रीट स्टाइल का उदय हुआ। इसने हमें फिर से न्यूनतम में अधिकतम का संदेश दिया है। जाहिर है फैशन का पुराना दौर फिर लौट रहा है।

नमी के इस मौसम में ऐसे रखें संेसेटिव स्किन का ख्याल

संेसेटिव स्किन के लिए वैसे ही मानसून का मौसम कहर बरपाता है और ऐसे में अगर आप तरह-तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं तो इससे आपकी समस्या बद से बदतर हो सकती है। इसलिए, हमेशा यह सलाह दी जाती है कि इस मौसम में संेसेटिव स्किन का ख्याल रखने के लिए कुछ नेचुरल चीजों का इस्तेमाल करें। आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बता रहे हैं, जो मानसून में आपकी संेसेटिव स्किन को पैम्पर करने में मदद करेंगी-

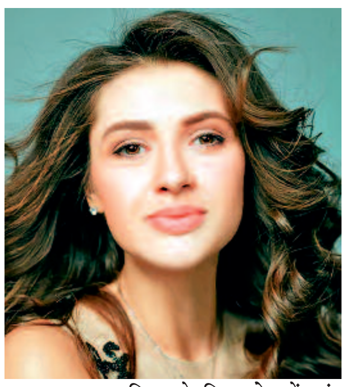

एलोवेरा का करें इस्तेमाल

मानसून में स्किन में खुजली व इरिटेशन की शिकायत होना बेहद आम बात है। ऐसे में अपनी संेसेटिव स्किन को सूदिंग अहसास करवाने और उसे हाइड्रेट करने के लिए एलोवेरा जेल का इस्तेमाल किया जा सकता है। एलोवेरा में पाई जाने वाली एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रोपर्टीज मानसून में आपकी स्किन का बेहतर तरीके से ख्याल रखती हैं। इसके इस्तेमाल के लिए आप एलोवेरा के पत्ते को तोड़कर उसका फ्रेश जेल निकाल लें। अब इसे सीधे स्किन पर लगाकर 20-25 मिनट के लिए छोड़ दें। अंत में, पानी की मदद से स्किन को साफ कर लें।

नीम का करें इस्तेमाल

मानसून में स्किन से जुड़ी परेशानियों को दूर करने के लिए नीम का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। यह आपकी संेसेटिव स्किन के लिए भी उतना ही लाभकारी है। इसमें एंटी-बैक्टीरियल, एंटीफंगल और एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रोपर्टीज पाई जाती हैं, जो मानसून में स्किन से जुड़ी परेशानियों को दूर करती हैं। इसके इस्तेमाल के लिए आप नीम के पत्तां को अच्छी तरह धोकर पानी में उबालें। फिर इस पानी को ठंडा होने दें। आप इस पानी को छानकर इस पानी से अपनी स्किन को वॉश कर सकते हैं। अगर आप चाहें तो नीम के तेल को कैरियर ऑयल में मिक्स करके अपनी स्किन पर भी लगा सकते हैं।

ग्रीन टी का करें इस्तेमाल

मानसून में संेसेटिव स्किन का ख्याल रखने के लिए ग्रीन टी का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं जो इंफ्लेमेशन को कम करने और इस मौसम में स्किन से जुड़ी परेशानियों को दूर करने में मददगार है। इसके इस्तेमाल के लिए एक कप ग्रीन टी बनाएं और उसे ठंडा होने दें। अब आप इसे कॉटन पैड की मदद से चेहरे पर लगाएं या इसे स्प्रे बोतल में डालकर इससे स्प्रे करें। आप इसे हर दिन टोनर या मिस्ट के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं।

गुलाब जल का करें इस्तेमाल

संेसेटिव स्किन के लिए गुलाब जल का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है।

नजर आना चाहती है सबसे अलग तो क्रिस्टल एम्ब्रॉयडरी वाली साड़ी करें वियर

फैशन

साड़ी का फैशन कभी पुराना नहीं हो सकता हैं और ये ही वजह है कि महिलाएं कई सारे मौकों पर साड़ी वियर करना पसंद करती हैं। साड़ी जहां आपका लुक खूबसूरत नजर आता है तो वहीं आपका लुक भी सबसे अलग भी नजर आता है। वहीं अगर आप साड़ी में कुछ ट्राई करने का सोच रही हैं तो आप ये क्रिस्टल एम्ब्रॉयडरी वाली साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। इस आर्टिकल में कुछ क्रिस्टल एम्ब्रॉयडरी वाली साड़ी दिखाएंगे जिन्हें आप कई सारे मौकों पर वियर कर सकती हैं।

क्रिस्टल सेक्विन कढ़ाई साड़ी

अगर आप लाइट कलर की साड़ी पहनने का सोच रही हैं तो आप इस तरह की क्रिस्टल सेक्विन कढ़ाई साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी के स्टाइलिश लूक पाने के लिए आप स्लीवलेस ब्लाउज पहन सकती हैं। वहीं फुटवियर में आप इस साडी साथ हील्स और ज्वेलरी में आप मिरर वर्क नेकलेस और झुमके वियर कर सकती हैं। यह साड़ी आपको ऑनलाइन मिल जाएंगी साथ ही ऑफलाइन भी आप इस तरह की साड़ी को 1500 से 2000 तक की कीमत में खरीद सकती हैं।

नेट साड़ी: यह नेट साड़ी भी कई सारे खास मौकों पर वियर कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी में जहां आप स्टाइलिश नजर आएंगी तो वहीं आपका लुक सबसे अलग नजर आएगा। इस साड़ी के आप डायमंड इयररिंग्स को स्टाइल कर सकती हैं साथ ही नेकलेस में आप इस साड़ी के साथ चोकर स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी आपको करीब 2000 रुपये से लेकर 3000 रुपये तक में आसानी से मिल जाएगी।

ऑर्गेंजा क्रिस्टल साड़ी: रॉयल लुक के लिए आप इस तरह की साड़ी भी वियर कर सकती हैं। ये साड़ी ऑर्गेंज़ा फैब्रिक में हैं साथ ही इसमें क्रिस्टल एम्ब्रॉयडरी की गई है। वहीं इस तरह की साड़ी के साथ परल वर्क वाली ज्वेलरी साथ ही मिरर वर्क वाला नेकलेस आप इस साड़ी के साथ स्टाइल कर सकती हैं। यह साड़ी आप बाजार से ले सकती हैं साथ ही ऑनलाइन भी आपको ये साड़ी 2 से 3 हज़ार रुपये में मिल जाएंगी।

सेब के सिरके से नाखूनों को बनाए चमकदार

हर महिला चाहती हैं कि उनकी त्वचा की तरह उनके नाखूनों की सुंदरता भी बनी रही। नाखूनों के सुंदर बनाए रखने के लिए कई सारे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं लेकिन इन प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल बंद करने के बाद नाखूनों की सुंदरता कम हो जाती हैं, लेकिन अब आप सेब के सिरके की मदद से नाखूनों को चमकदार बना सकती हैं।

सेब के सिरका नाखूनों के लिए हैं फायदेमंद

सेब के सिरके में कई सारे गुण होते हैं और ये गुण नाखूनों के लिए भी फायदेमंद हैं। सेब के सिरके में एसिटिक और मैलिक एसिड होता हैं जो नाखूनों को चमकदार बनाए रखने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। वहीं सेब के सिरके में एंटीफंगल गुण भी होते हैं जो नाखूनों किसी भी तरह के फंगल इन्फेक्शन को दूर करने में मददगार और इस तरह से सेब के सिरके का नाखूनों पर इस्तेमाल करने से इन्हें सुंदर बनाया जा सकता है।

एक कटोरी में 2 चम्मच सिरका लें। इस सिरके में नाखूनों को 5 मिनट तक रखें। इसके बाद नेल्स की मसाज करें। इस उपाय को हफ्ते में 2 दिन करें। एक अन्य उपाय में एक गिलास में पानी लें। इस पानी में दो चम्मच सिरका डालें। इसमें 1 चम्मच ग्लिसरीन डालें। इस मिश्रण में नाखूनों को 5 मिनट तक रखें। इसके बाद नेल्स की मसाज करें। इस उपाय को हफ्ते में 3 दिन करें।

बालों को सफेद होने से रोकने में मददगार है यह होममेड स्प्रे

चेहरे पर खूबसूरती तभी आती है जब आपके बाल सही हो लेकिन आज के मॉडर्न लाइफस्टाइल में हेयर फॉल और उम्र से पहले बालों का सफेद होना एक बड़ी समस्या बन गई है। 20 साल की उम्र में भी बाल सफेद होने लगते हैं। यह लोग को खराब ना करें इसके लिए लोग डाई लगते हैं। अब एक बात तो तय है कि जो बाल सफेद हो गए हैं उसे दोबारा से नेचरली काले नहीं किया जा सकते हैं, लेकिन कुछ ऐसे उपाय हैं जिन्हें अपना कर आप बाकी बालों को सफेद होने से जरूर रोक सकते हैं। आइए जानते हैं इस बारे में एक्सपर्ट भावना मेहरा से।

हेयर एक्सपर्ट भावना मेहरा जी बताती हैं कि बालों को सफेद होने से रोकने के लिए अखरोट के छिलके का सहारा लिया जा सकता है। इसकी मदद से खास तरह का स्प्रे बनाकर

बालों में लगाने से बाकी बचे हुए बालों को सफेद होने से आप रोक सकते हैं। आइए जानते हैं यह स्प्रे कैसे बनता है और इसे कैसे फायदा पहुंचता है।

सबसे पहले एक बर्तन में पानी उबालने के लिए चढ़ा दें। अब इसमें अखरोट के छिलके डाल कर कुछ देर तक इसे उबलने दें। जब पानी आधा हो जाए और पानी का रंग बदल जाए तो गैस बंद कर दें। अब इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दें। कुछ देर बाद एक स्प्रे बॉटल में इस पानी को डाल दें। इसमें रोजमेरी एसेंशियल ऑयल मिलाएं। इसे अच्छी तरह से स्कैल्प और बालों पर स्प्रे करें। इस हेयर स्प्रे से आपको कुछ ही दिन में फायदा नजर आएगा।

एक्सपर्ट बताती हैं कि अखरोट में बायोटीन, विटामिन बी और बहुत सारा मैग्नीशियम होता है जो आपके बालों के क्यूटिकल्स को मजबूत करता है। खोपड़ी को पोषण देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में अखरोट खाने के साथ-साथ अखरोट के छिलके से बने स्प्रे का इस्तेमाल करें, क्योंकि इसके छिलकों में भी यह सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं जिससे आपके बाल सफेद होने से बच सकते हैं।

कार्नर न्यूज

हर मौसम मेंटेन रखिए अपनी स्टाइल, लोग करेंगे तारीफ

बरसात में स्टाइलिश दिखने के लिए मानसून फैशन टिप्स से खुद को करें इस तरह तैयार

मौसम चाहे जैसा भी हो, हर कोई अपने स्टाइल को मेंटेन रखना चाहता है। हालांकि, गर्मी और सर्दी के मौसम के मुकाबले बरसात के मौसम में स्टाइल को बरकार रखना थोड़ा चैलेंजिंग होता है। बारिश के सुहाने मौसम में भला कौन फैशन के कारण अपना मूड बिगाड़ना चाहेगा। इसलिए, बारिश के मौसम के हिसाब से खुद को तैयार करना बहुत जरूरी है। उमस से बचने के लिए परफेक्ट ड्रेस,कपड़ों को जल्दी सुखाना और फुटवियर्स को गीला होने से बचाना बारिश के दिन में फैशनेबल बनने को लेकर ये चैलेंज आते हैं। आप इन बातों का ख्याल रखते हैं तो आसानी से मानसून में भी स्टाइलिश बन सकते हैं। इसकी तैयारी आपको पहले ही कर लेनी चाहिए ताकि इस मौसम में बाकियों के मुकाबले ज्यादा अट्रैक्टिव दिख सकें। बरसात के सुहाने मौसम में खुद को हैंडसम बनाने के लिए मानसून फैशन टिप्स की मदद ले सकते हैं।

मानसून ड्रेस: बरसात के मौसम के हिसाब से कैसी ड्रेस पहननी चाहिए? अगर मानसून के दौरान सही ड्रेस नहीं पहनते हैं, तो त्वचा की समस्या और उमस के कारण परेशान हो सकते हैं। मानसून में कपड़ों का सही चुनाव करें। कॉटन और लिनन फैब्रिक के ड्रेस ही पहनें,स्लीव्स/ स्लीवलेस टी-शर्ट और प्रिंटेड शॉर्ट्स, ब्राइट कलर और फ्लोरल ड्रेस, कपड़ों से मेल खाता छाता, राउंड नेक टी-शर्ट और स्टाइलिश रेनकोट को अपनाएं। इस तरह से आप बरसात के मौसम के हिसाब से ड्रेस चुन सकते हैं। इनसे आपको बेहतर लुक मिल सकता है। साथ ही आपको कुछ सावधानियां बरतनी होंगी। डेनिम या मोटे फैब्रिक वाले ड्रेस ना पहनें, क्योंकि सूखने में बहुत टाइम लगेगा और गीला होने के बाद इनको पहने रहना बेहद मुश्किल हो जाता है। साथ ही पैंट या जींस को मोड़कर पहनें।

इसके अलावा सफेद रंग की ड्रेस पहनने से बचें] क्योंकि भीगने के बाद शरीर के आरपार दिखाई देने लगता है। इसके अलावा आप अपने बैग में छोटा तौलिया या गमछा रख सकते हैं जो कि आपके काम आ सकता है।

बरसात के लिए जूते या चप्पल?

बारिश के मौसम में सही फुटवियर्स नहीं पहनना परेशानी का सबब बन सकता है। लैदर के जूते-चप्पलों को भूलकर भी ना पहनें, क्योंकि गीले होने के बाद ये खराब हो सकते हैं और पैरों की त्वचा के लिए नुकसानदेह साबित हो सकते हैं। इस दौरान फ्लिप-फ्लॉप, स्लीपर और रंग-बिरंगे कैनवस शूज आदि पहनें। इस मौसम में जूते कम से कम पहनें। इसके अलावा गीले कपड़े या शूज ज्यादा देर तक ना पहनें, स्पोर्ट्स स्टाइल वॉच पहनें और गीले शॉक्स व अंडरगारमेंट्स ना पहनें।